A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 15 जुलाई, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 308 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बहुत लिख लिये सपने,
अब तो सच के गीत लिखें।।
कब तक इन बाज़ारों में,
कौड़ी के मोल बिकें।।
मतलब के इस जग में,
सब गलियारे बदल गये।
नदियाँ कैद हुई जेलों में,
दरपन दहल गये।
बीते दिन की पुस्तक पढ़कर,
नवल सुनीति लिखें।।
कोने कोने दरक रहे हैं,
दर दीवारों के।
इन पर तने हुए हैं महले,
पानीदारों के।
सम्बन्धों की कूची से,
अब रंग पुनीत लिखें।।
मन लहरों पर तिनके सा,
तिरता उतराता है।
तन जितने पहरों में है,
उतना इतराता है।
रेख खींच कर एक,
समय की निश्चित जीत लिखें।।

– श्याम सुंदर तिवारी

पहली बात

अनंत अंबानी की शादी में राहुल की अनुपस्थिति के मायने

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के विवाह समारोह की भव्यता की अनगिन चर्चाओं के बीच शादी के आयोजन से गाँधी-परिवार, खासतौर से राहुल गांधी की दूरी भारतीय राजनीति में एक नया कथानक लिखने जा रही है। समारोह से राहुल गाँधी की दूरी की चर्चा आसानी से बुझने वाली नहीं है। इसके राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ भी कई दिलचस्प आयाम की इशारा करते हैं। राहुल गांधी के इस इंकार ने उनके राजनीतिक सफर को उन सड़कों और पगडंडियों की ओर मोड़ दिया है, जहां रोशनी कम है और मुफलिसी का डेरा है। कहना मुश्किल है कि वो इन राहों पर वो कितने सफल होंगे? सवाल यह है कि पूंजी से इस टकराव के बाद क्या भारत की राजनीति सामाजिक न्याय के धरातल पर कोई करवट लेगी? यह इसलिए विचारणीय है कि मुकेश अंबानी जैसे उद्योगपति चुनाव में चंदा देने वाले प्रमुख लोगों मे शुमार होते हैं। कोई राजनेता उनकी अवहेलना करते आज तक नहीं देखा गया है।

भारत के आजाद इतिहास की देहरी पर किसी निजी एवं पारिवारिक समागम को सोने के रेशों से गूंथने के इस ग्लैमरस उपक्रम में शरीक होने की वीभत्स प्रतियोगिता में हर वर्ग की सितारा हस्तियों के बीच टी-शर्ट धारी राहुल गाँधी की अनुपस्थिति के मायनों को राजनीतिक और सामाजिक मान्यताओं के नैतिक धरातल पर जांचना और परखना जरूरी है। अंबानी परिवार की शादी से राहुल गाँधी की यह दूरी पूंजी से टकराव का अप्रत्यक्ष आव्हान करने वाली प्रतीत होती है। पूंजी की असीमित ताकत से मुठभेड़ की पहल राहुल गाँधी के व्यक्तित्व को लौह-तत्व की ओर इंगित करती है। इससे उनकी सैद्धांतिक और नैतिक प्रतिबद्धता भी रेखांकित होती है।

लोकतंत्र में चुनावी राजनीति के मौजूदा दौर में असीमित पूंजी की अपरिहार्यता और महत्ता को अलग से परिभाषित और प्रतिपादित करने की जरूरत नहीं है। यह इससे भी सिद्ध होता है कि अंबानी परिवार की इस शादी में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर विरोधी दलों के अनेक बड़े नेता शरीक हुए हैं, जिनमें शरद पवार, लालू यादव, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, कमल नाथ, दिग्विज सिंह जैसे नेता भी शुमार हैं। गौरतलब यह है कि ये सभी विपक्षी नेता एनडीए के मुकाबले खड़े इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण धुरी हैं।

जाहिर है पूंजी से टकराव की ताजा थीसिस में फिलवक्त राहुल गाँधी अकेले खड़े महसूस हो रहे हैं, क्योंकि उनके अलावा वह हर राजनेता अंबानी परिवार की शादी में शरीक हुआ है, जिसे आमंत्रित किया गया था।

पूंजी की अनगिन ताकतवर श्रृंखलाओं के खिलाफ राहुल गांधी के यह बागी तेवर राजनीति की राहों को सुगम तो कतई नहीं बनाते हैं। परिस्थितियां उस वक्त और विषम हो जाती हैं, जब सत्तारूढ़ पार्टी का मिजाज विपक्ष को नेस्तनाबूद करने वाला है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा केन्द्र सरकार विपक्ष के प्रति कभी भी सहनशील और संवेदनशील नहीं रही है। लोकसभा के पिछले चुनाव के प्रारंभ में मोदी-सरकार ने कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते सील कर दिए थे। यह घटना बमुश्किल चार-पांच महिने ही पुरानी है। इसके अलावा कई विपक्षी दलों के दफ्तरों में आयकर विभाग की टीमें जांच करने पहुंच गई थीं।

मोदी-सरकार के इस रवैये की पृष्ठभूमि के ज्यादातर विपक्षी दल पूंजीपतियों से सीधे टकराव के पक्ष में नहीं रहते हैं। नामचीन विपक्षी नेताओं के साथ बंगाल, आंध्र महाराष्ट्र जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति मुकेश अंबानी सहित सभी उद्योगपतियों से दोस्ताना रिश्तों की जरूरत की ओर इशारा करती है।

पूंजी से सीधे अथवा अप्रत्यक्ष टकराव की ओर बढ़ती इस राजनीतिक कहानी के सिरे अभी खुले हैं, लेकिन इसकी इब्तिदा हो चुकी है। राहुल गाँधी ने उसके सिरे थाम रखे हैं। यह कहानी कैसे आगे बढ़ेगी, कैसे आकार ग्रहण करेगी, कहना मुश्किल है, लेकिन सोशल मीडिया के इस दौर में राहुल गाँधी के इस कदम बाद नई बहस सिलसिला शुरू हो गया है। पांच हजार करोड़ रुपयों का यह शक्ति-प्रदर्शन अब गले की हड्डी बनता महसूस हो रहा है। जिस तरीके से शादी की भव्यता को मीडिया के पर्दो पर दर्शाने की कोशिश की गई है,वो वितृष्णा पैदा करने वाली महसूस होने लगी है। इस शादी ने मोदी-सरकार की नीतियों और अंबानी परिवार के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रुझान को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। गोदी मीडिया से इतर सोशल मीडिया के कारखानों में यह हिसाब होने लगा है कि मोदी-सरकार ने अंबानी परिवार को अरबों रूपयों का फायदा कैसे पहुंचाया है? पिछले दस सालों में हजारों करोड़ रुपए अंबानी की तिजोरी में कैसे पहुंच गए?

एशिया के सबसे बड़े शख्स के इस आयोजन की तस्वीरें हैरत पैदा करने वाली हैं। विवाह समारोह की प्रस्तुति में सामाजिक प्रभुत्व को राजनीतिक ताकत से महिमामंडित करने की कोशिशों का सिलसिला काफी दिलचस्प है। पैसा, पावर, पारिवारिकता, ग्लैमर, धर्मपरायणता और सांस्कृतिक परम्पराओं के घालमेल की औघड़ स्क्रिप्ट के जरिए एक ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की गई, जो राजा-महाराजाओं को दौर की यादों को ताजा कराता है। गरीबी और मुफलिसी में जीने वाले लोगों का मनोविज्ञान इससे अभिभूत भी होता है और संतप्त भी होता है। अमीरी का आकर्षण और अमीरों से नफरत के ग्राफ का पेंडुलम कभी भी स्थिर नहीं रहता है। इसलिए ऐसी कहानी कल्पनाओं को अभिभूत करती रहती हैं। लेकिन मौजूदा दौर की राजनीति में अडानी-अंबानी मुफलिसी का कारक बनकर उभर रहे हैं। उनकी सम्पन्नता की कहानियों में सरकारी खजाने की लूट और सरकार का एकतरफा समर्थन लोगों की बेचैनी का सबब बनता जा रहा है।

म.प्र. में 55 पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शुरू

इंदौर अब एजुकेशन का हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है : अमित शाह

इंदौर (नप्र)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में रविवार को इंदौर में 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ किया गया।

मध्यप्रदेश के कॉलेजों में स्टूडेंट्स अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लेकर वेद पुराण तक की शिक्षा हासिल कर सकेंगे। रविवार से प्रदेश में 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए गए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इंदौर के श्री अटल बिहारी वाजपेयी आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज से इसका शुभारंभ किया।

यहां रोजगार देने वाले विषय लॉजिस्टिक,

हवाई जहाज से संबंधित कोर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मार्केटिंग को पढ़ाने पर फोकस रहेगा। साथ ही, युवा पीढ़ी को वेद, उपनिषद, पुराण भी पढ़ने को मिलेंगे।

यही नहीं, प्रदेश के पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस को आईआईटी-आईआईएम की तर्ज पर डेवलप किया जाएगा। विद्यार्थी एक रुपए रोज के किराये पर बस से रोज कॉलेज आ-जा सकेंगे।

इन कॉलेजों में सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से 8 स्किल बेस्ड ग्रेजुएशन कोर्स शुरू होंगे। इंदौर मप्र की आर्थिक राजधानी है। अब यह शहर एजुकेशन हब बन रहा है। मैं नई शिक्षा नीति के पूरे देश में सबसे पहले मप्र में क्रियान्वयन के लिए सीएम मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार को बधाई देता हूं। नई शिक्षा नीति में कई वर्टिकल का समयोजन किया गया है। मोदी जी ने हमारे सामने 2047 तक आजादी की शताब्दी का लक्ष्य रखा है। 2047 में भारत को महान बनाने का जो लक्ष्य रखा गया है, वो युवाओं के हाथ में है। इसकी नींव डालने का काम हमारी नई शिक्षा नीति और पीएम कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस करेंगे।

परंपरागत विषयों से हटकर नए विषयों की पढ़ाई कराने में मप्र अग्रणी : सीएम यादव

मप्र नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला पहला प्रदेश है। हम माननीय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जी के मार्गदर्शन में परंपरागत विषयों से हटकर नए विषयों, व्यावसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रम पूरे प्रदेश के 55 पीएम एक्सिलेंस कॉलेजों में शुरू कर रहे हैं। हम युवाओं के जीवन को नई दिशा देने के लिए कई नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहे हैं। हमारा मकसद सिर्फ कागज की डिग्री देना नहीं है। हम युवाओं में स्किल डेवलपमेंट करना चाहते हैं। हमने एविएशन के क्षेत्र में नया कदम उठाते हुए प्रदेश के कई शहरों में एयर टैक्सी शुरू की है। भगवान कृष्ण को 64 कलाएं सीखाने वाली मालवा की इस धरती पर हम युवाओं की स्किल डेवलप करना चाहते हैं।

आईआईटी से होगा एमओयू, 2 सर्टिफिकेट कोर्स चलेंगे

सभी कॉलेज में एनसीटीई से परमिशन मिलने पर बीएड पाठ्यक्रम शुरू होगा। वहीं, आईआईटी दिल्ली से एमओयू के आधार पर सभी कॉलेज में दो सर्टिफिकेट कोर्स (90 घंटे के ऑनलाइन) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फिनटेक विद एआई संचालित किए जाएंगे।

हर कॉलेज को 40 लाख दिए, 336 करोड़ होंगे खर्च

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, भवन विस्तार, लैब उपकरण, लाइब्रेरी, खेल सुविधा, फर्नीचर के लिए 336 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस को 40 लाख रुपए प्रति महाविद्यालय देकर कैंपस डेवलपमेंट करने की मंजूरी दी गई है। इससे पुताई, मरम्मत, एंट्री गेट पर साइनेज और गार्डन की हरियाली का कार्य किया जाएगा।

कृषि और पर्यटन के पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे

सभी पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में उच्च शिक्षा विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू करेंगे। इसमें कृषि और पर्यटन से संबंधित पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। बीएससी कृषि (एग्रीकल्चर) कोर्स शुरू होंगे। प्रदेश में ड्रोन नीति निर्माण पर पढ़ाई कराई जाएगी।

खुल गया जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी (एजेंसी)। आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है। ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार रविवार दोपहर 1.28 बजे खोल दिया गया है। इस दौरान भंडार गृह में सरकार के प्रतिनिधि,

- **46 साल बाद खोला गया खजाना,भंडार गृह में लकड़ी के 6 संदूक भेजे गए**

एएसआई के अधिकारी, गजपति महाराज के प्रतिनिधि समेत 11 लोग मौजूद हैं। मंदिर का खजाना आखिरी बार 46 साल पहले 1978 में खोला गया था। ओडिशा सरकार ने भंडार खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार को फिर से खोलने के लिए गठित पैनल के अध्यक्ष और ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस विश्वनाथ रथ ने कहा कि जैसा कि तय किया गया था और जैसा कि सभी जानते हैं, सरकार ने तीन हिस्सों के लिए जरूरी एसओपी जारी कर दी है। इसमें एक रत्न भंडार को खोलने के लिए है और फिर दोनों भंडारों में रखे हुए गहनों और कीमती सामानों को गर्भगृह के अंदर पहले से तय किए गए कमरे में ले जाना है।

उन्होंने कहा कि आज हमने एक बैठक बुलाई जिसमें हमने रत्न भंडार खोलने और गहनों की देखभाल करने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार के अंदर जो लोग गए हैं उनमें मंदिर के चीफ एडमिनिस्ट्रेटर,पुरी के कलेक्टर, पुलिस सुपरिटेंडेंट, रत्न भंडार सब कमेटी के लोग, सुपरवाइजरी पैनल से दो सदस्य गए हैं। साथ ही, गजपति महाराज के प्रतिनिधि और सेवक समुदाय से चार शामिल हैं। ओडिशा की डिप्टी सीएम प्रवती परिदा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि हमें वहां मौजूद रहना है। हम आज से वहीं पर रुकेंगे और देखेंगे कि गिनती आराम से हो। हमें विश्वास है कि प्रभु की कृपा से सब कुछ आसान होगा। पिछली सरकार ने रत्न भंडार को रहस्य बनाकर रखा था। रत्न भंडार की बार-बार गिनती होनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछली शताब्दी में जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोला गया था। इसमें 1905, 1926 और 1978 शामिल है। वहां पर मौजूद महंगी चीजों की लिस्ट बनाई गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 1985 में रत्न भंडार का भीतरी हिस्सा खुला लेकिन लिस्ट अपडेट नहीं हो पाई। हालांकि, 1978 में जो लिस्ट बनी थी।

मणिपुर में फिर हमला, एक जवान शहीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की आग थमने का नहीं ले रही है। राज्य के जिरीबाम में बदमाशों ने सीआरपीएफ और राज्य पुलिस की टीम पर हमला किया। घात लगाकर किए गए हमले में एक सीआरपीएफ का जवान शहीद हो गया है और करीब तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने सुबह करीब 9.40 बजे 20वीं बटालियन सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस की एक टीम को निशाना बनाया। यह घात लगाकर किया गया हमला था। यह घटना उस समय हुई जब टीम शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना से संबंधित सर्च ऑपरेशन के लिए मोनबुंग गांव की तरफ जा रही थी। शहीद हुए सीआरपीएफ जवान की पहचान बिहार के रहने वाले अजय कुमार झा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायल हुए तीन जवानों में जिरीबाम पुलिस स्टेशन का एक सब-इंस्पेक्टर भी शामिल है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'मैं आज जिरीबाम जिले में कुकी उग्रवादियों के संदिग्ध एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में सीआरपीएफ के एक जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं।

ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर पर कसा शिकंजा

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने रविवार को ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर की ऑडी कार जब्त कर ली है। पूजा पुणे में असिस्टेंट कलेक्टर के तौर पर पोस्टिंग के दौरान लग्जरी कार पर अवैध तरीके से लाल-नीली बत्ती लगाकर घूमने के बाद विवादों में आई थीं। उनके

दबंग रवैये और मनमानी की भी काफी चर्चा है। ऑडी कार एक प्राइवेट इंजीनियरिंग कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुणे आरटीओ ने गुरुवार को इस ऑडी के मालिक, इंजीनियरिंग कंपनी को नोटिस जारी किया था। नोटिस में कंपनी को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए गाड़ी पेश करने के लिए कहा गया था। पुणे पुलिस ने बताया कि खेडकर परिवार के ड्राइवर ने पुणे के चतुरश्रृंगी पुलिस स्टेशन के ट्रैफिक डिवीजन में कार जमा करवाई है।

पितृ-पर्वत पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान अंतर्गत हुआ पौधरोपण

इंदौर अब ग्रीन सिटी के नाम से जाना जाएगा...' मां के नाम पर लगाया पौधा' : केंद्रीय मंत्री अमित शाह

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रारंभ किये गये 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के पितरेश्वर हनुमान धाम में पौध-रोपण किया। इसके पहले उन्होंने हनुमान धाम मंदिर में पूजा अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि के लिये प्रार्थना की। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं उत्तरप्रदेश के विधान परिषद सदस्य डॉ. महेन्द्र सिंह ने भी पौध-रोपण किया। गृहमंत्री शाह ने कहा पौधे रोपना आसान है, उन्हें बड़ा करना बहुत मुश्किल है। जो पौधे रोपे गए हैं, उन्हें अपने बच्चे की तरह बड़ा करना होगा। यही पौधे पेड़ बनने के बाद मां की तरह आपका ध्यान रखेंगे। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अन्तर्गत नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती अयोध्यादेवी विजयवर्गीय की स्मृति में बरगद का पौधा लगाया। पौध-रोपण के साथ ही उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण के लिये एवं अपनी धरती माता को हरा-भरा रखने के लिये एक पेड़ अवश्य लगायें और इनकी रक्षा का संकल्प भी लें। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, स्थानीय सांसद श्री शंकर लालवानी, राज्यसभा सदस्य श्रीमती कविता पाटीदार, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती कुसुमबेन शाह की स्मृति में पीपल का पेड़ लगाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती लीला पूनमचंद यादव की स्मृति में एवं

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c
न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 15 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता होंगे गौरव गोगोई

● स्पीकर चुनाव लड़ने वाले के सुरेश को भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के गौरव गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे और इस निर्णय के बारे में एक पत्र अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि कांग्रेस के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर उन्हें संसद के निचले सदन में कांग्रेस के उप नेता, मुख्य सचेतक और दो सचेतक नियुक्त किये जाने के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे, जबकि केरल से आठ बार के सांसद के. सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे। उन्होंने बताया कि विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद लोकसभा में पार्टी के सचेतक होंगे।

मैं आरएसएस में था, यह कोई अछूत संगठन नहीं

● पूर्व जज ने राजनीति को लेकर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता और ओडिशा हाई कोर्ट में जज रह चुके रिटायर्ड जस्टिस चितरंजन दास ने एक इंटरव्यू में कहा कि किसी को अपनी राजनीतिक पहचान छिपाने की जरूरत नहीं है। वह खुलकर कहते हैं कि वह आरएसएस के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि एक जज रहते हुए उन्होंने संविधान के मुताबिक काम किया और उनकी व्यक्तिगत विचारधारा कभी आड़े नहीं आई। जस्टिस दास ने यह भी कहा कि आरएसएस में हर विचारधारा के लोग रहते हैं और यह संगठन किसी को किसी विचारधारा के लिए बाध्य नहीं करता है। बता दें कि जस्टिस चितरंजन अपने फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

टीम इंडिया ने 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

आखिरी मैच में भी जिम्बाब्वे को 42 रन से हराया

हरारे (एजेंसी)। टीम इंडिया ने रविवार को हरारे के मैदान में खेले गए 5वें टी-20 में भी जिम्बाब्वे को 42 रन से हरा दिया। साथ ही 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से जीत लिया। 5वें टी-20 में जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कप्तान सिकंदर रजा का फैसला पावरप्ले तक सही साबित हुआ। पावरप्ले में इंडिया ने कप्तान शुभमन, ओपनर यशस्वी और अभिषेक शर्मा के विकेट खो दिए थे। स्कोर था सिर्फ 46 रन। इसके बाद संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई और रियान पराग के साथ 65 रन की साझेदारी की। शिवम दुबे ने डेथ ओवर्स में चौके-छक्के लगाकर टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचाया। 168 रन चेज कर रही जिम्बाब्वे को मुकेश कुमार और शिवम दुबे ने परेशानी में डाला। मुकेश ने पावरप्ले में 2 और 19वें ओवर में 2 विकेट लिया।

एसआरएस फाउंडेशन

बेडमिंटन खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा : विजय रांगणेकर

भोपाल। प्रतिभाशाली किंतु आर्थिक रूप से पिछड़े खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधाएं उपलब्ध कराने का नारा तो बरसों से दिया जाता रहा है। पर इस पर सार्थक और अभिनव पहल की है सुनील सातव, रुचिरा कुलकर्णी और विनीता बांठिया ने - एसआरएस फाउंडेशन की स्थापना कर। इनका मानना है कि प्रदेश के खिलाड़ियों में प्रतिभा तो भरपूर है, मेहनत करने के लिए भी वे तत्पर हैं लेकिन आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होने के कारण वे खेल उपकरण, प्रशिक्षण, अभ्यास और स्पर्धाओं में भाग लेने का व्यय वहन करने में अपने आपको असमर्थ पाते हैं और अपना खेल निरंतर जारी नहीं रख पाते। ऐसे उभरते मेधावी खिलाड़ियों को आर्थिक चिंता से मुक्त करने के लिए सुनील, रुचिरा और विनीता ने इस फाउंडेशन की परिकल्पना की। खेलों और खासकर बैडमिंटन खेल में इस तरह की योजना अपनी तरह की एकमात्र और अनूठी योजना है।

बेडमिंटन को करियर के रूप में अपनाने की राह में कई बाधाएँ, विशेषकर आर्थिक, शामिल हैं, जो युवा, उफनती प्रतिभा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के एक बड़े वर्ग को खेल के प्रति अपने उत्साह को बनाए रखने से हतोत्साहित करती हैं। अपने प्रियजनों की स्मृति में लोग अनेक क्षेत्रों में सामाजिक कार्य करते हैं लेकिन टेनिस व क्रिकेट की तुलना में कम महत्व प्राप्त और उपेक्षित, बेडमिंटन खिलाड़ियों की मदद और प्रोत्साहन का विचार इस खेल के खिलाड़ियों के मन में ही आ सकता है। इन तीनों न्यासियों की रुचि बैडमिंटन खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने मे हैं। ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ी आगे प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर ज्यादा से ज्यादा मेडल जीते इसके लिए उन्हें खेल सामग्री खरीदने व अन्य खर्चों के लिए एस आर एस फाउंडेशन द्वारा आर्थिक सहयोग किया जाएगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुनील सातव, रुचिरा कुलकर्णी और विनीता बांठिया की यह पहल बैडमिंटन की दुनिया में एक मील का पत्थर साबित होगी।

वर्ल्ड यूथ स्किल्स डे के अवसर पर आईसेक्ट समूह द्वारा 'कौशल चर्चा' के 5वें संस्करण का होगा आगाज

भोपाल। भारत के एक अग्रणी सामाजिक उद्यम आईसेक्ट समूह द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस 2024 के उपलक्ष्य में 'कौशल चर्चा' के 5वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में 15 से 19 जुलाई तक आयोजित होगा जिसका विषय 'शांति और विकास के लिए युवा कौशल' है।

'कौशल चर्चा' के तहत शिक्षकों, सरकारी अधिकारियों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ एक सप्ताह तक चलने वाली संवाद श्रृंखला का आयोजन होगा। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को करियर की सफलता और सामाजिक योगदान के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। कार्यक्रम का आगाज 15 जुलाई को होगा जिसके तहत एडवांस्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम का लॉन्च, हुंडई के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन एवं कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। 16 जुलाई को उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ इंडस्ट्री राउंड टेबल, 17 जुलाई को एआई ऑफ एडुकेटर्स पर मास्टरक्लास, 18 जुलाई को युवा संवाद, 19 जुलाई को फ्यूचर स्किल्स पर ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के अतिथि एवं वक्ताओं में कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मप्र शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, मध्य प्रदेश पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार के सचिव रघुराज एम आर, और सुश्री हर्षिका सिंह, निदेशक कौशल विकास निदेशालय, मध्य प्रदेश सरकार जैसे प्रतिष्ठित अतिथि शामिल होंगे, जो राष्ट्रीय और वैश्विक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कौशल विकास के महत्व पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा आईसेक्ट ग्रुप चेयरमैन संतोष चौबे, आईसेक्ट समूह के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज की डायरेक्टर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अजय भूषण और कुलसचिव डॉ. सितेश सिन्हा भी मौजूद रहेंगे जो मेहमानों से जुड़ेंगे और आईसेक्ट के मौजूदा प्रयासों और भविष्य के उद्देश्यों के बारे में जानकारी साझा करेंगे। वहीं उद्योग जगत के विषय विशेषज्ञों में डॉ. सुनीता बधवार, सीनियर हैड, स्टैंडर्ड्स एंड कटेंट, एमईपीएससी, डॉ. चारू मोंगा, एसोसिएट डीन, आईआईटी दिल्ली, गरिमा झांब, सीनियर हैड, एनईपी इंप्लीमेंटेशन एंड एचआर, एएसडीसी, किशोरे थंगावेलू : सीएसआर हैड- माइक्रोसॉफ्ट फिलेन्थ्रोपीज इंडिया, अंकित राणा, हैड एकेडमिक इनिशिएटिव, एलएसएसएसडीसी, शब्बीर हैदर, फाउंडर ऑफ फ्यूचर लैब स्टूडियोज से कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।

कौशल चर्चा की घोषणा पर बात करते हुए, आईसेक्ट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा, आईसेक्ट में हम मानते हैं कि छात्रों के बीच कौशल-आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने से एक सहायक वातावरण बनाने में मदद मिलती है जिससे कौशल विकास को बढ़ावा मिलता है। हमें विश्वास है कि ज्ञान, दृढ़ संकल्प और व्यावहारिक क्षमताओं की शक्ति को सेलिब्रेट करने वाले ऐसे कौशल-आधारित कार्यक्रम का आयोजन हमारे भविष्य के लीडर्स को तैयार करने में मददगार बनेगा। यह नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण भी है।

नर्मदापुरम के सभी प्राइवेट स्कूल आज से बंद

संगठन बोला- पूरे एमपी में करेंगे हड़ताल ; फीस बढ़ाने पर हुए एक्शन का विरोध

नर्मदापुरम (नप्र)। जबलपुर के बाद अब नर्मदापुरम प्रशासन ने प्राइवेट स्कूलों पर सख्त कदम उठाए हैं। शिक्षा विभाग ने फीस बढ़ाने पर 79 स्कूलों की लिस्ट बनाई है। इन स्कूलों ने 10 प्रतिशत से 200 प्रतिशत तक फीस बढ़ाई है। स्कूल के मैनेजमेंट को 15, 16 और 18 जुलाई को कार्यालय बुलाया गया है। सेशन 2020-21 से 2023-24 तक बढ़ाई गई फीस की जानकारी मांगी गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी एसबीएस बिसेन के मुताबिक, 79 स्कूल में से 23 स्कूलों को पहले नोटिस जारी किए गए। 14 स्कूल बढ़ी हुई फीस पेरेंट्स को लौटाने को तैयार हैं। बाकी 56 स्कूलों को पक्ष रखने का मौका दिया है। इन्हें भी जिला शिक्षा समिति नोटिस जारी करेगी। जवाब नहीं मिलने पर इन स्कूलों पर 2-2 लाख रुपए का जुर्माना समेत संचालक को सजा हो सकती है।

उधर, शिक्षा विभाग के इस एक्शन पर जिले भर के सभी स्कूलों ने 15 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की घोषणा कर दी है। कल से सभी प्राइवेट स्कूल बंद रहेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री बोले- स्कूल बंद किए तो कार्रवाई करेंगे- स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने प्राइवेट स्कूलों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि अगर स्कूल बंद किए तो कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं। इनके साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निजी स्कूल संचालकों को कोई दिक्कत है, तो वे आकर मिलें। उनकी समस्या का समाधान हम करेंगे। स्कूल बंद रखना गलत है।

रमेश रिपु के 'डियर किलर' को सुरेन्द्र मोहन पाठक सम्मान

रायपुर। 'सृजन साहित्य' मंच छत्तीसगढ़ ने रीवा के वरिष्ठ पत्रकार रमेश कुमार 'रिपु' की किताब 'डियर किलर' को 'सुरेन्द्र मोहन पाठक' सम्मान से नवाजा गया है। 'डियर किलर' रहस्य,रोमांच और थ्रिलर से युक्त जुर्म और प्यार की नई भाषा में लिखी गयी किताब है। इसी साल लेखक रमेश कुमार 'रिपु' की नक्सलवाद पर आधारित कहानी 'रेडफायर'को जयपुर साहित्य संगीत ने श्रेष्ठ अलंकरण से सम्मानित किया है।

'सृजन साहित्य मंच' की ओर से शिखर सम्मान छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय व्यंग्यकार गिरीश पंकज को दिया जाएगा। कृष्णचंदर सम्मान- उपन्यास के लिए लोकबाबू दुर्ग,(छत्तीसगढ़) और कहानी के लिए विजयश्री तनवीर,नोएडा (यूपी) को। लतीफ घोंघी सम्मान- श्री मलय जैन भोपाल। अमृता प्रीतम सम्मान- डॉ योगिता जोशी जयपुर,श्री अभय सिन्हा, भागलपुर,बिहार।कन्हैयालाल नंदन सम्मान- सीमा श्रीवास्तव सारागांव, रायपुर (छग).को दिया जायेगा।

कांग्रेस के भाई-बहन पढ़े-लिखे अनपढ़: नड्डा

● सीएम योगी बोले-विपक्ष को दोबारा उछलकूद का मौका नहीं मिलेगा, लखनऊ में भाजपा की बड़ी बैठक

लखन0ऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बाद लखनऊ में रविवार को भाजपा की सबसे बड़ी बैठक हुई। जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत यूपी के 3000 नेता शामिल हुए। उत्तर प्रदेश कार्य समिति की बैठक में चुनावी नतीजों पर चर्चा हुई। आगे की रणनीति भी तय की गई। जेपी नड्डा ने कहा- 90 बार कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराया है। ये आज प्रजातंत्र की दुहाई देने लगे हैं और संविधान के रक्षक बन गए हैं। उन्होंने राहुल-प्रियंका का नाम लिए बगैर उन्हें पढ़ा-लिखा अनपढ़ बताया। सीएम योगी ने कहा- 2027 में भी भाजपा सरकार बनेगी। जो लोग उछल कूद करने का प्रयास कर रहे हैं और मुझे लगता है कि दोबारा इनको उछल कूद करने का मौका नहीं मिल पाएगा। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा- अखिलेश यादव आपको सावधान कर रहा हूं, यह कांग्रेस भस्मासुर है और बहुत जल्दी आपको ठिकाने लगा देगी। कांग्रेस की नजर आपके मुस्लिम वोट पर पड़ गई है। योगी सरकार में मंत्री अनिल राजभर ने बगावती बयानबाजी पर विधायकों को नसीहत दी। कहा- यह अनुशासनहीनता है। पार्टी ने सभी को मंच दिया।

संविधान की दुहाई देने वालों ने सबसे ज्यादा गला घोंटा

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- लोगों ने भ्रम फैलाने की कोशिश की कि संविधान खत्म हो जाएगा। लेकिन संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का काम किसका है। कौन सी पार्टी है, जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कह दिया था कि प्रधानमंत्री का चुनाव गलत है। यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के पद पर रहना नहीं चाहिए तो वे संविधान बदल देते हैं और इमरजेंसी लगा देते हैं। संविधान के साथ प्रजातंत्र की भी हत्या करते हैं। 90 बार कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराया है। भाजपा ने 10 साल सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाया, वह भी सदन में बोल कर लगाया कि यह अस्थायी है, इसको हटा दिया जाएगा। ये (विपक्ष) आज प्रजातंत्र की दुहाई देने लगे हैं और संविधान के रक्षक बन गए हैं।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने किए विंध्यवासिनी के दर्शन

फिर पहुंचे बाबा विश्वनाथ के दरबार, पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं साथ

मिर्जापुर (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मिर्जापुर स्थित विंध्याचल धाम पहुंचे। साथ में विधायक पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं। पत्नी संग माता विंध्यवासिनी की विधिवत पूजा-अर्चना की और फिर वाराणसी रवाना हो गए। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन किए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोरेन सड़क मार्ग से मिर्जापुर पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत में सोरेन ने कहा कि यहां वो मां का आशीष लेने आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ आगे बढ़ने के लिए मां से आशीर्वाद मांगने आया हूं। 6 महीने जेल में रहा। न्याय प्रक्रिया के तहत बाहर आया। मां के आशीर्वाद से ही बल मिलता है। जो हमारा संकल्प है, उसे जारी रखेंगे। देश की जनता का निर्णय है। हम लोग देश के जरूरतमंद लोगों के लिए समर्पित रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि जनता उनके साथ है। बोले, लोग अपनी-अपनी बातें रखते हैं। देश की जनता को जो समझ आता है, उसके अनुरूप हमें परिणाम भी मिलते हैं। हमें लगता है कि जनता का आशीर्वाद हमारी बड़ी ताकत है। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष हेमंत सोरेन जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 28 जून को जेल से जमानत पर रिहा हुए। इसके बाद उन्होंने 4 जुलाई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनसे पहले चंपई सोरेन सीएम पद संभाल रहे थे। चंपई हेमंत सोरेन के करीबी लोगों में से एक माने जाते हैं। फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

पुलिस एनकाउंटर में मारा गया आर्मस्ट्रांग की हत्या का आरोपी

● टीम पर हमला कर भागने की कर रहा था कोशिश, हो गया शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख के आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक आरोपी को रविवार सुबह चेन्नई में पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने एक अधिकारी पर हमला करने के बाद भागने की कोशिश की तो उन्होंने गोलियां चला दीं। यह घटना चेन्नई के माधवरम में एक झील के पास हुई है। 33 वर्षीय के थिरुवेंगडम एक हिस्ट्रीशीटर था और कथित तौर पर आर्मस्ट्रांग की हत्या में एक प्रमुख व्यक्ति था।

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प पर जानलेवा हमला

एफबीआई बोली-मारने की साजिश, कान पर गोली लगी, खतरे से बाहर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर फायरिंग हुई है। उनके दाएं कान पर गोली लगी है, लेकिन वो सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दी जा चुकी है। घटना भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 4 बजे की है। तब

● बाल-बाल बचे पूर्व राष्ट्रपति, जवाबी कार्रवाई में मारा गया हमलावर

अमेरिका में शनिवार के शाम करीब 6.30 बज रहे थे। ट्रम्प अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के बटलर शहर में चुनावी रैली कर रहे थे। ट्रम्प मंच पर आए उन्होंने बोलना शुरू किया- 'टेक अ लुक एट वॉट हैपंड'और फायरिंग की आवाज आनी शुरू हुई। चीख-पुकार मचती है, ट्रम्प चौंकते हुए दायां हाथ कान पर रखते हैं और झुक जाते हैं। इस बीच सुरक्षा गार्ड घेरा बना लेते हैं। ट्रम्प खड़े होते हैं, कान और खून से सने चेहरे के साथ दाईं मुट्ठी भींचते हुए कुछ कहने की कोशिश करते हैं।

फिर गार्ड उन्हें घेरे में लेते हुए कार में लेकर निकल जाते हैं। गोलीबारी में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की मौत हुई है। 2 गंभीर रूप से घायल हुए। पेंसिल्वेनिया पुलिस ने बताया कि ट्रम्प पर करीब 400 फीट दूर मौजूद इमारत की छत से फायरिंग की गई।

'दोस्त' ट्रंप पर हमले के बाद पीएम मोदी ने जताई चिंता

● बोले-लोकतंत्र में इसकी कोई जगह नहीं, जल्द ठीक होने की कामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के ऊपर जानलेवा हमला हुआ है। पीएम मोदी ने ट्रंप पर हुए इस हमले को लेकर चिंता जताई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि अपने दोस्त पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले को लेकर चिंता में हूं। इस हमले की निंदा करता हूं। राजनीति और लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा की कोई जगह नहीं है।

भारी जालसाजी हुई, चुनाव आयोग ने भी कुछ नहीं किया

● पश्चिम बंगाल उपचुनाव के नतीजों के बाद बरसी बीजेपी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव में जबरदस्त जीत हासिल की, जिसमें उसने भाजपा से रायगंज, बागदा और राणाघाट दक्षिण सीट छीन लीं तथा मानिकतला में रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की। इस तरह तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में मिली जीत का सिलसिला जारी रखा। इस जीत के बाद बीजेपी ने आरोप लगाया है कि चुनाव में जालसाजी हुई और चुनाव आयोग ने भी शिकायत पर कुछ नहीं किया। पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा है कि उपचुनाव में जो सत्ताधारी पार्टी होती है, उसे एडवांटेज मिलता है। किसी बूथ पर बीजेपी को तीन तो किसी पर चार या पांच मिला है। यह लोकतंत्र में संभव नहीं है। वोट के नाम पर जालसाजी हुई है। पश्चिम बंगाल में ऐसा होता रहा है।

भोपाल में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शुरू

मंत्री कृष्णा गौर बोलीं-नई पीढ़ी शिक्षा के साथ संस्कृति से भी जुड़ेगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रविवार को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया गया। हमीदिया कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री कृष्णा गौर समेत अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

इस मौके पर मंत्री कृष्णा गौर ने द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुरू किया। मुख्य आयोजन इंदौर के श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य कॉलेज में हुआ। यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में प्रदेश भर के 55 पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया गया।

इस मौके पर मंत्री कृष्णा गौर ने कहा- भोपाल के शासकीय हमीदिया महाविद्यालय को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्रेणी में लाकर शुभारंभ किया गया है। आज निश्चित रूप से कह सकती हूं कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस से नई पीढ़ी बेहतर शिक्षा के साथ साथ अपनी संस्कृति परंपरा से भी जुड़ेगी। हमारे देश की नई पीढ़ी का एक समग्र विकास होगा।

हमारे लिए यह सौभाग्य का दिन: देवेंद्र रावत

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस हमीदिया के अध्यक्ष देवेंद्र रावत ने बताया कि छात्रों को पहले कॉमर्स और आर्ट्स की क्लासेस चलती थीं, अब यहां साइंस की क्लास भी शुरू कर दी है। इसमें नई बिल्डिंग बना रहे हैं, इसके अलावा रोजगार से संबंधित तीन कोर्स शुरू करेंगे। हमारे लिए यह सौभाग्य का दिन है। इसके अलावा आज दो बसों का उद्घाटन भी हुआ। पीएम एक्सीलेंस कॉलेज को-एड होगा। इसलिए पुलिस चौकी बनवाएंगे। व्यवस्थाओं को ठीक करेंगे।

एआई बेस्ड और आईटी बेस कोर्सेस चलेंगे: प्रिंसीपल

कार्यक्रम के बाद पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (हमीदिया कॉलेज) की प्रिंसीपल पुष्पलता चौकसे ने कहा- केंद्र और राज्य शासन ने वित्तीय सहायता प्रदान की है। हम विज्ञान संकाय प्रारंभ कर रहे हैं। इससे पहले साइंस हमारे यहां नहीं था। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) बेस्ड और आईटी बेस कोर्सेस चलाए जाएंगे। उसके लिए छात्रों को निःशुल्क पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। अब कॉलेज को-एड हो गया है। जिससे छात्राएं भी एडमिशन ले सकती हैं। इसके अलावा रविवार से ही दो बसें शुरू हो गई हैं।आगे 4 बसें चलाने के लिए शासन को पत्र लिखेंगे।

एआई से होगा होम्योपैथी इलाज

भोपाल (नप्र)। शासकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. निशांत नाम्बिसन और डॉ. स्मिता नाम्बिसन ने एक नया एआई सॉफ्टवेयर, होमियोएक्सपर्ट होमियोजीपीटी विकसित किया है। यह सॉफ्टवेयर होम्योपैथी की दुनिया में बड़ी तब्दीली लाने वाला है। इस नवीन प्रयोग से तकनीकी और परंपरागत चिकित्सा का मेल होने से बहुत फायदे होंगे।

होमियोएक्सपर्ट होमियो जीपीटी एक खास तरह का एआई है जो होम्योपैथी के लिए विकसित किया गया है। इसे होम्योपैथिक किताबों के बड़े संग्रह पर प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें मटेरिया मेडिका और थेरेप्यूटिक्स जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। यह सुनिश्चित करता है कि यह एआई होम्योपैथी के सिद्धांतों को अच्छी तरह समझे।

होमियोएक्सपर्ट होमियो जीपीटी चिकित्सकों, छात्रों और शौकीन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह एआई सॉफ्टवेयर विभिन्न बीमारियों के निदान और उपचार में मदद कर सकता है, और इससे होम्योपैथिक इलाज की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार हो सकता है। कोई भी चिकित्सक 3500 से ज़्यादा दवाओं की जानकारी याद नहीं रख सकता है एसे में 3500 दवाओं की जानकारी से लैस यह जल्दी और सही सिफारिशें दे सकता है, घंटों का काम मिनटों में कर सकता है।

इसका इंटरफ़ेस बहुत सरल है और यह पूरी तरह से मुफ्त है। कोई भी व्यक्ति चेटजीपीटी की वेबसाइट पर जाकर होमो एक्सपर्ट को खोजकर तुरंत इसका उपयोग कर सकता है। होम्योपैथिक डॉक्टर इसका उपयोग कर अपने काम को आसानी से और जल्दी से पूरा कर सकते हैं, जिससे मरीजों को उचित और प्रभावी देखभाल मिलती है। छात्रों के लिए, यह एक एआई शिक्षक के रूप में काम करता है, जिससे वे होम्योपैथिक अवधारणाओं को अच्छी तरह समझ सकते हैं। आमजन के लिए यह एक डॉक्टर की तरह सलाह देता है, हालाँकि यह डॉक्टरी सलाह का तोड़ नहीं है । लेकिन कई मायनों में डॉक्टर से बेहतर सलाह देने की क्षमता रखता है ।

डॉ. निशांत और डॉ. स्मिता नाम्बिसन द्वारा विकसित इस एआई सॉफ्टवेयर से पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा के बीच का फासला कम होता है। यह होम्योपैथी में एआई का पहला प्रयोग होने के नाते चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया मानदंड स्थापित करेगा। नवाचार और विकास के साथ, होमियो जीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर होम्योपैथी और स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को नई दिशा देंगे।

बेटे के दोस्त ने की महिला से ज्यादती

घर में अकेले होने का फायदा उठाकर दिया वारदात को अंजाम

भोपाल(नप्र)। भोपाल के अवधपुरी में रहने वाली 43 वर्षीय महिला के साथ बेटे के दोस्त ने ज्यादती की। वारदात शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। शनिवार की रात पीड़िता ने एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है।

थाना प्रभारी रोशनलाल भारती ने बताया कि महिला गृहिणी हैं। उसके पति प्राइवेट जॉब करते हैं। महिला का 20 साल का बेटा है। उसकी कॉलोनी में 33 वर्षीय संजय जैन रहता है। उसकी और महिला के बेटे की दोस्ती है। शुक्रवार रात को संजय बेटे को घर बुलाने आया। दोनों एक साथ निकले।

देर रात 2 बजे संजय अकेला लौटा, और घर के मेन गेट को नॉक किया। गेट खुलते ही आरोपी घर में घुस आया। बेटे के संबंध में पूछने पर आरोपी ने जवाब दिया कि शराब पीकर कहीं पड़ा होगा। इसके बाद आरोपी ने महिला के साथ ज्यादती की। विरोध करने पर बेटे की हत्या की धमकी दी। बेटे के लौटने पर अगले दिन महिला ने थाने आकर एफआईआर दर्ज कराई।

ससुर का इलाज कराने पति दिल्ली गए

घटना के समय महिला घर में अकेली थी। उसके ससुर की तबीयत खराब चल रही है। इलाज के सिलसिले में पति-ससुर को चेकअप के लिए दिल्ली ले गए हैं। इन दिनों मां-बेटे घर में अकेले हैं। इस बात की जानकारी आरोपी संजय को थी। इसी का फायदा उठाकर उसने वारदात को अंजाम दिया है।

भोपाल में मॉल की महिला कर्मचारी ने लगाई फांसी

तीन साल पहले मिर्जापुर से काम की तलाश में भोपाल आई थी

भोपाल (नप्र)। अशोका गार्डन इलाके में एक किराए के फ्लैट में रहने वाली युवती ने शनिवार रात को फांसी लगा ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। युवती होशंगाबाद रोड के आशिमा मॉल में नौकरी करती थी। तीन साल पहले करियर बनाने की चाह में मिर्जापुर उत्तर प्रदेश से भोपाल आई थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एसआई जसवीर सिंह सेंगर ने बताया कि 22 वर्षीय गीतांजली ठाकुर मूल रूप से मिर्जापुर की रहने वाली थी। तीन साल पहले वह करियर बनाने की चाह में भोपाल आई थी। यहां अशोका गार्डन स्थित मनप्रीत होटल के पास अमृत काम्प्लेक्स में किराए के फ्लैट में रहती थी और आशिमा मॉल में जॉब करती थी। शनिवार को दिन भर वह घर से नहीं निकली थी। शाम के समय उसके जीजा ने कई कॉल किए, गीतांजली ने कॉल नहीं उठाए। इससे परिजन अधिक चिंतित हो गए। जीजा की बहन नैना ठाकुर गीतांजली के फ्लैट के करीब रहती है।

उसे चेक करने के लिए भेजा गया तो फ्लैट अंदर से लॉक था। काफी आवाजें देने पर भी अंदर से कोई रिप्लाई नहीं आया। नैना तत्काल थाने पहुंची और पुलिस को सूचना दी। गेट को तोड़ने के बाद पुलिस ने फ्लैट में प्रवेश किया। अंदर एक कमरे में दुपट्टे से बने फंदे पर शव लटका हुआ दिखा। जिसे फंदे से उतारने के बाद एफएसएल की टीम से स्पॉट मुआयना कराया।रात करीब 9:30 बजे शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए मर्चुरी भिजवा दिया गया। परिजनों की मौजूदगी में बॉडी का पीएम कराया जाएगा।

दो साल पहले की थी लव मैरिज- एसआई के मुताबिक अब तक की जांच में सामने आया कि गीतांजली ने दो साल पहले भोपाल में ही एक युवक से लव मैरिज कर ली थी। कुछ ही समय में यह शादी टूट गई थी। गीतांजली के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। उसकी कॉल डिटेल्स की भी जांच की जाएगी।

विश्व युवा कौशल दिवस पर पौध-रोपण सहित कई आयोजन होंगे

भोपाल (नप्र)। 'विश्व युवा कौशल दिवस'पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के मुख्य आतिथ्य में 15 जुलाई को शासकीय संभागीय आईटीआई, गोविंदपुरा में जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों द्वारा पौधरोपण किया जाएगा। मंत्री श्री टेटवाल आईटीआई में नव निर्मित प्रोडक्शन शॉप का उद्घाटन करेंगे। मंत्री श्री टेटवाल आईटीआई ऑन व्हील का शुभारम्भ भी करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता 2024 में पदक प्राप्त विजेताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

म.प्र. में सिनेमा हॉल निवेशकों को 75 लाख तक सब्सिडी

एमपी टूरिज्म बोर्ड का फैसला; सिनेमा हॉल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सिनेमा के उन्नयन और फिल्म देखने के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एमपी टूरिज्म बोर्ड सबसिडी दे रहा है। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल निर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के लिए फिल्म पर्यटन फिल्म नीति 2020, अंतर्गत निवेशकों को 75 लाख रुपए तक की सबसिडी दी जा रही है। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए 50 लाख रुपए, मौजूदा सिनेमाघर के उन्नयन के लिए 75 लाख रुपए और मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिये 75 लाख रुपए तक का अनुदान मिलेगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ला ने बताया, प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही फिल्म से जुड़ी आधारभूत संचरनाएं विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति प्रदेश में सिनेमा से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। साथ ही स्थानीय फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सिंगल स्क्रीन सिनेमा और मल्टीप्लेक्स निर्माण को मिलेगा प्रोत्साहन- सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 50 लाख पर 15 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। प्रति सिनेमा हॉल अनुदान की अधिकतम सीमा 50 लाख रुपए है। दो वर्ष में बंद हो चुके सिनेमा हॉल को फिर से क्रियाशील या उन्नयन के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 25 लाख पर 15 प्रतिशत राशि का अनुदान दिया जाएगा।

भोपाल आरटीओ में एजेंट-कियोस्क संचालकों की हड़ताल

मृत व्यक्ति की ऑनरशिप ट्रांसफर की फाइल के बाद बढ़ा विवाद; आरटीओ बोले- अधिकारिता पत्र अनिवार्य

भोपाल (नप्र)। भोपाल आरटीआई में पिछले चार दिनों से एजेंट व कियोस्क संचालकों की हड़ताल चल रही है। जिससे आवेदक लगातार परेशान हो रहे हैं। इस बीच इक्का-दुक्का आवेदक अपने काम करवाने आ रहे हैं। यहां अभी भी 80 प्रतिशत से अधिक आवेदक नहीं पहुंच रहे हैं। जिसको लेकर जहां एक तरफ आरटीओ भोपाल जितेंद्र शर्मा अपनी अधिकारिता पत्र या शपथ पत्र की बात पर अभी भी कायम हैं। दूसरी तरफ, एजेंट इस बात से निराश हैं। चलिए जाने क्या है इस पूरे विवाद की जड़, और किस फाइल की वजह से यह पूरा विवाद आरटीओ भोपाल में चल रहा है।

आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि 6 जुलाई को मेरे सामने एक फाइल मृत व्यक्ति राजेंद्र कुमार चौधरी की ऑनर शिप ट्रांसफर की फाइल सामने आई, जब हमने इसको खंगाला तो पता ही नहीं चला कि किसने यह फाइल बनाई है, जिसके बाद मैंने हर फाइल के साथ शपथ पत्र या फिर अधिकारिता पत्र देने की बात कही है, जिसको लेकर यह पूरा विवाद चल रहा है।

इस तरह से मृत व्यक्ति की ऑनरशिप ट्रांसफर नहीं होती है, इसके लिए यह पहले उसके उत्तरदायी के पास ट्रांसफर होगी। हम जो भी कुछ मांग रहे हैं वह सब नियमानुसार ही है, नियमों से हटकर इसमें कुछ भी नहीं हैं। एक्ट में भी कहा गया है कि जो भी व्यक्ति किसी और की फाइल लेकर आएगा वह एक अधिकारिता पत्र साथ लाएगा।

फेसलेस काम के लिए पार्टी को क्यों बुलाया जा रहा

दूसरी तरफ, यातायात सलाहकार संघ के अध्यक्ष जगदीश त्यागी ने बताया कि हम हमेशा से अधिकृत पत्र देते आए हैं, मगर जो काम फेसलेस है उसके लिए भी आरटीओ साहब पार्टी को बुलाना चाह रहे हैं, यह नियमों के विरुद्ध है और हम इसलिए अनिश्चित कालीन हड़ताल पर हैं। क्योंकि हम लोग भी नियमानुसार ही काम करते आए हैं। इससे पहले भी कई अधिकारी रहे हैं, वहां भी हम यही काम करते आए हैं। इससे पब्लिक को असुविधा हो रही है।आरटीओ को हटाने के लिए विधायक ने लिखा पत्र।

आरटीओ बोले- सभी काम नियमानुसार ही किए जा रहे हैं

आरटीओ भोपाल जितेंद्र शर्मा ने बताया- पब्लिक अपना काम खुद भी करवा सकती है, वह वाहन पोर्टल पर अपने आवेदन भी खुद कर कर सकते हैं। मेरे द्वारा मांगी जा रही जानकारी अलग नहीं है, इसका प्रावधान है, अब चाहे आप शपथ पत्र दें या फिर अधिकारिता पत्र दें, मगर देना जरूरी है। यह सभी काम नियमानुसार ही किए जा रहे हैं।

जवाहर चौक भोपाल स्थित झरनेश्वर मंदिर में पाटोत्सव

भक्तों ने देवी की पालकी यात्रा निकाली, 56 भोग लगाए गए

भोपाल (नप्र)। जवाहर चौक स्थित झरनेश्वर मंदिर में शनिवार को मां श्री राज राजेश्वरी देवी का पाटोत्सव मनाया गया। इस मौके पर मौजूद भक्तों ने मंदिर परिसर से आसपास के क्षेत्रों तक देवी की सूक्ष्म पालकी यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालु गण भजन-कीर्तन व नृत्य करते हुए चल रहे थे।

यात्रा की वापसी पर मां श्री राज राजेश्वरी देवी को 56 भोग लगाए गए। हर्षित तिवारी और उनके सहयोगियों द्वारा भजन संध्या की। पंडित दीपक शास्त्री ने बताया कि महालक्ष्मी को आषाढ़ शुक्ल सप्तमी के दिन वर्ष-2011 में विराजित किया गया था। उसके बाद से हर साल पाटोत्सव मनाया जाता है।

पंडित दीपक शास्त्री ने बताया कि महालक्ष्मी की जहां स्थापना होती है, वह क्षेत्र, शहर और वहां के लोगों की दिन-व-दिन उत्तरोत्तर प्रगति होती है। देवी को धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष का वरदान देने वाली माना जाता है। इस मौके पर अश्विनी सिन्हा एडवोकेट, निधि परमार आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन ने भोपाल में निकाली रैली

ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग, 14 ब्रांच के पदाधिकारी-सदस्य रैली में शामिल

भोपाल (नप्र)। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन की 14 ब्रांच ने ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग को लेकर एक साथ रैलियां निकालीं। रैलियां एवं धरना-प्रदर्शन भोपाल से इटारसी-बीना एवं गुना तक में किए गए। सभी 14 ब्रांच के पदाधिकारियों व सदस्यों ने न्यू पेंशन स्कीम को रद्द करने एवं ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग दोहराई। भोपाल-इटारसी-बीना-गुना में रैलियों का आयोजन किया गया। भोपाल ए, भोपाल बी, प्रशासनिक ब्रांच भोपाल, रेलवे कोच फैक्ट्री ब्रांच भोपाल में प्रदर्शन, रैली व धरना-प्रदर्शन किए गए। इसके बाद रेलकर्मियों ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संतान सुख के लिए ढाई साल की बच्ची का अपहरण

बालाघाट में बीजेपी नेता गिरफ्तार; आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका के साथ मिलकर की वारदात

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट में संतान की चाह में बीजेपी की एक महिला नेता पर ढाई साल की बच्ची के अपहरण का आरोप लगा है। पुलिस ने इस मामले में भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष सारिका बिसेन के साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता योगिता कावड़े और आंगनवाड़ी केन्द्र की सहायिका उषा कठौते को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, तीन दिन पहले 11 जुलाई को मॉयल नगरी भरवेली के वार्ड क्रमांक-1 से ढाई साल की एक बच्ची गुम हो गई थी। उसके दत्तक पिता ने काफी तलाश की। जब कुछ भी पता नहीं चला तो 13 जुलाई शनिवार की शाम को उसने भरवेली पुलिस को इसकी सूचना दी। जिस पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बीजेपी नेता को संतान सुख देने के लिए किया अपहरण

पुलिस ने बच्ची के लापता होने के स्थान से लेकर सभी संभावित जगहों पर उसकी तलाश की। खुद सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा इस मामले को देख रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि बालिका एक स्थान पर है। जिसके बाद पुलिस ने उसे बरामद किया।

पुलिस को जांच में पता चला कि किसी महिला को संतान सुख देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका ने मिलकर बच्ची को महिला तक पहुंचाया था। जिसके आधार पर पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

सेवा संकल्प युवा संगठन भोपाल ने शहीदों को किया याद

5 शहीद जवानों की स्मृति में किया पौधारोपण

भोपाल (नप्र)। देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चल रहा है। इसी तर्ज पर सेवा संकल्प युवा संगठन ने 'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान शुरू किया है, जिसके तहत संगठन के पदाधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर के कटुवा में शहीद हुए जवानों की स्मृति में रविवार को पुलिस मुख्यालय खटलापुरा के सामने पौधारोपण किया।

संगठन के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि हर एक पौधे के साथ जवानों के नाम अंकित दिए गए हैं। शहीद आनंद सिंह के नाम से जामुन का पौधा रोपा गया। शहीद कमल सिंह हेड कांस्टेबल के नाम से जामफल का पौधा, शहीद आदर्श नेगी राइफल के नाम से आम का पौधा, शहीद विनोद सिंह नायक के नाम से अशोक का पौधा और शहीद अनुज सिंह राइफलमैन के नाम से बरगद का पौधा रोपा गया है।

पौधारोपण के समय सभी ने भारत माता की जय, वंदेमातरम, वीर जवान अमर रहे के नारे लगाएं। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक चेतन भार्गव, विवेक साहू, यश जैन, राजेश साहू, मनोज यादव, लकी नेगी, दीपक साकरे, विवेक श्रीवास्तव मौजूद रहे।

संपादकीय

उपचुनाव- भाजपा के लिए चेतावनी

देश में सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे जहां भाजपा और एनडीए गठबंधन के लिए चिंता का विषय हैं, वहीं इन परिणामों ने कांग्रेसनीत इंडिया गठबंधन की हौसला अफजाई की है। भाजपा और एनडीए 13 में से मात्र 2 सीटें जीत पाई, जबकि इंडिया गठबंधन के हिस्से में 10 सीटें आईं। भाजपा के लिए संतोष का विषय इतना ही है कि उसने मप्र में कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट कांग्रेस से छीन ली है। इससे कमलनाथ की भावी राजनीति और साख पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग गया है। इन चुनाव नतीजों से एक दिन पहले महाराष्ट्र में विधान परिषद की 11 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा व एनडीए द्वारा 9 सीटें जीतने की खुशी को फीका कर दिया है। अब यह सवाल पूछा जाने लगा है कि क्या मोदी मैजिक लगातार उतार पर है? और यह भी कि भाजपा के दलबदल कर सरकार गिराने बनाने का खेल अब खत्म होता जा रहा है? खासकर भाजपा शासित उत्तराखंड की दोनों सीटें पार्टी हार गई। इन उपचुनावों में इंडिया गठबंधन में जहां कांग्रेस ने चार सीटों पर जीत का परचम फहराया है, वहीं तृणमूल कांग्रेस ने चार, डीएमके और आम आदमी पार्टी ने एक-एक सीट पर जीत हासिल की है। हिमाचल प्रदेश की देहरा सीट से राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी और कांग्रेस की उम्मीदवार कमलेश ठाकुर की जीत हुई है। कमलेश ने बीजेपी के होशियार सिंह को 32 हज़ार से ज़्यादा वोट से हरा दिया है। हालांकि कमलेश शुरू के राउंड में पीछे चल रही थीं। लेकिन सुक्खू को उनके गृह ज़िले हमीरपुर में बीजेपी ने झटका दिया है। इस सीट पर बीजेपी के आशीष कुमार शर्मा क़रीब 1500 वोट से चुनाव जीत गए हैं। वहीं हिमाचल की नालागढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा जीत दर्ज की है। दरअसल साल 2022 में हुए विधानसभा चुनावों में हिमाचल की इन तीनों सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों को जीत मिली थी। उनके इस्तीफ़े के बाद ये सीटें ख़ाली हुई थीं। लेकिन इन परिणामों के बाद सुक्खू सरकार सुरक्षित हो गई है। उसे गिराने के भाजपा के प्लान पर पानी फिर गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस साल फ़रवरी महीने में इन तीनों ही विधायकों ने राज्यसभा चुनावों में बीजेपी के पक्ष में मतदान किया था। इस बार तीनों ही उम्मीदवारों ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। लेकिन बीजेपी शासित मप्र में मतदाताओं का रुख उलटा रहा। यहां कांग्रेस से भाजपा में आए और कभी कमलनाथ के बहुत करीबी रहे कमलेश प्रताप शाह भाजपा के टिकट पर 3252 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। उधर बंगाल में ममता ने फिर साबित किया कि प्रदेश में उनकी पकड़ मजबूत है। पार्टी ने सभी चार सीटों पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल की है। भाजपा को कोई कामयाबी नहीं मिली है। जबकि बिहार की रुपौली सीट निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह के खाते में गई है। यह राज्य में सत्तारूढ़ जदयू भाजपा गठबंधन के लिए झटका है। इस बीच तमिलनाडु की विक्रावंडी सीट डीएमके के अन्नियूर शिवा ने एक लाख 24 हज़ार मतों से जीती है। नतीजे आने के बाद कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर खुशी ज़ाहिर की और लिखा कि अधिकतर सीटों पर इंडिया गठबंधन को जीत मिली है। चुनावी नतीजे पर भाजपा ने कोई टिप्पणी नहीं की है। तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा कि संदेशखाली समेत भाजपा के तमाम हथकंडे फेल हो गए हैं। उपचुनावों का संदेश साफ है कि भाजपा को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना होगा वरना यूपी में जल्द होने वाले 10 विस सीटों पर उपचुनावों में भी उसे तगड़ा झटका लग सकता है।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक लोहियावादी विचारक हैं।

ईरान के चुनाव हैं उम्मीद की नई किरण

सारी दुनिया में सत्ता के दुरुपयोग और हिंसा के खिलाफ आवाजें उठीं परंतु खोमेनेई एवं रहीसी ने दुनिया की आवाज को नजरअंदाज कर दिया। ऐसे भय व हिंसा के माहौल में डॉ. मसूद का जीतना अपने आप में एक उल्लेखनीय घटना है जो यह सिद्ध करती है कि अब युवा पीढ़ी मजहब के नाम पर कट्टरताओं व प्रतिबंधों को न केवल नकारती है, बल्कि उसका प्रतिकार करने को तैयार है और उस प्रतिकार के लिए होने वाले संघर्ष में हर कुर्बानी व तकलीफ सहने को तैयार है। जिस प्रकार हिजाब विरोधी आंदोलन में हजारों बेटियों ने जेलें काटी उस सविनय अवज्ञा आंदोलन ने, महात्मा गांधी की याद दिलाई और आज भी दुनिया में अहिंसक प्रतिकार सिविल नाफरमानी का प्रतीक महात्मा गांधी हैं, यह सिद्ध कर दिया।

ईरान में डॉ. मसूद का राष्ट्रपति बनना एक महत्वपूर्ण घटना है जो कई प्रकार से दुनिया को आशान्वित करता है। एक तो इसलिये कि ईरान के धार्मिक प्रमुख खामेनेई का समर्थन जलीली को था, यह चर्चा दुनिया के मीडिया में और ईरान की खबरों में आम थी। खोमेनेई ईरान के धार्मिक गुरु भी हैं और 20 सदस्यीय परिषद के अध्यक्ष भी हैं जो परिषद सारे महत्वपूर्ण निर्णय करती है यानि एक प्रकार से ईरान की सत्ता का वास्तविक नियंत्रण व संचालन खामेनेई के द्वारा होता है। परिषद तो उनकी नामजद जैसी संस्था है।

दूसरे डॉ. मसूद के सामने और भी समस्या थी कि उन्होंने हिजाब विरोधी आंदोलन का समर्थन किया था और एक सार्वजनिक बयान दिया था कि नई पीढ़ी के नव युवकों, युवतियों का अपना अधिकार है कि वे किस प्रकार जीना चाहते हैं। और हिजाब विरोधी आंदोलन व युवक युवतियों का समर्थन किया था। जबकि सैयद जलीली हिजाब समर्थक थे ओर और पूर्व राष्ट्रपति रहीशी जिनकी मृत्यु पिछले दिनों वायु दुर्घटना में हुई, ने आंदोलनकारियों के ऊपर भारी बर्बर तरीके से हमले कराये थे। अमीना महीसी की पुलिस थाने में मौत के बाद हजारों नौजवानों को यहां तक कि हिजाब का विरोध करने वाली बच्चियों को जेलों में डाला गया, लाठियों से पीटा गया, गोलियां चलाई गईं, याने धर्म के नाम पर एक प्रकार की निरंकुश सत्ता का प्रयोग किया गया।

सारी दुनिया में सत्ता के दुरुपयोग और हिंसा के खिलाफ आवाजें उठीं परंतु खोमेनेई एवं रहीसी ने दुनिया की आवाज को नजरअंदाज कर दिया। ऐसे भय व हिंसा के माहौल में डॉ. मसूद का जीतना अपने आप में एक उल्लेखनीय घटना है जो यह सिद्ध करती है कि अब युवा पीढ़ी मजहब के नाम पर कट्टरताओं व प्रतिबंधों को न केवल नकारती है, बल्कि उसका प्रतिकार करने को तैयार है और उस प्रतिकार के लिए होने वाले संघर्ष में हर कुर्बानी व तकलीफ सहने को तैयार है। जिस प्रकार हिजाब विरोधी आंदोलन में हजारों बेटियों ने जेलें काटी उस सविनय अवज्ञा आंदोलन ने, महात्मा गांधी की याद दिलाई और आज भी दुनिया में अहिंसक प्रतिकार सिविल नाफरमानी का प्रतीक महात्मा गांधी हैं, यह सिद्ध कर दिया।

डॉ. मसूद को अधिकांश युवाओं के वोट मिले। ईरान के चुनाव के नियम है कि जिस प्रत्याशी को कुल मतों का 50 प्रतिशत या अधिक मिलता है वही जीता माना जाता है। डॉ. मसूद के सामने एक समस्या यह भी थी कि पहले चरण में खामेनेई समर्थक जलीली के वोट यद्यपि मसूद पेजेश्कियान से कम थे, परंतु इस पहले दौर में दो कटटरपंथी उम्मीदवार जो चुनावी प्रक्रिया में बाहर हुए थे, उनके मत खोमेनेई समर्थक जलीली को मिल सकते थे जो मसूद के लिये एक समस्या हो सकती थी। परंतु ईरान के मतदाताओं ने और विशेषकर युवा मतदाताओं ने इसके बावजूद भी डॉ. मसूद को 50 प्रतिशत से अधिक मत दिये और 1 करोड़ 65 लाख मत पाकर वह जीते। जबकि उनके विरोधी और खामेनेई समर्थक को 1 करोड़ 30 लाख ही मत प्राप्त हुये।

डॉ. मसूद का चुनाव जीतना इसलिये भी आशान्वित करता है कि, उन्होंने न केवल लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन किया था बल्कि नया ईरान बनाने का सपना लोगों के मन में बोया। यह नया ईरान एक खुला ईरान होगा जहां मजहब के नाम के प्रतिबंध, धार्मिक कट्टरतायें तथा कट्टरपंथियों की तानाशाही नहीं होगी।

नये ईरान के इस परिवर्तन में उन्होंने दुनिया के देशों से अपने संबंध सुधारने की भी बात कही और ऐसा लगता है कि अब ईरान और अमेरिका के बीच एक नये रिश्तों का मार्ग खुलेगा। ईरान जो अभी तक चीन के अधिक नजदीक था और भारत और ईरान की महत्वाकांक्षी चावहार बंदरगाह योजना को जो संशय और बाधायें खड़ी हो रही थीं शायद अब उनका भी हल हो सकेगा। नया ईरान अपने विकास के लिये दुनिया के नये-नये क्षेत्रों की ओर उड़ान भर सकेगा जिससे ईरान के नौजवानों को मजहबी बंधनों की आजादी के साथ-साथ रोजगार के नये अवसर मिल सकेंगे।

हालांकि डॉ. मसूद के लिये अपने किये गये वायदों को पूरा करने में कठिनाईयां भी आयेंगी। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन को रोकने के लिये जो कुख्यात 'नैतिकता पुलिस' बनाई गई थी और जिसे अपार अधिकार दे दिये गये थे अब उस तथाकथित पुलिस के अधिकारों को सीमित करना ताकि नया व खुला ईरान अस्तित्व में आ सके, यह एक चुनौती भरा काम है। जो सपने युवाओं ने उनके भाषणों व वायदों में देखे हैं उन सपनों को जमीन पर उतारना अब एक महत्वपूर्ण चुनौती है। जब डॉ. मसूद ने तेहरान में युवकों की आजादी व हिजाब विरोधी आंदोलन का समर्थन किया तथा कहा था कि ''कौन माँ-बाप नहीं चाहेगा कि उसके बच्चे कालेजों में जायें और हँसते हुये वापिस आयें। कौन माँ-बाप अपने बच्चों को शिक्षण संस्थाओं में भेजकर उनकी लाश ताबूत में वापिस पाना चाहता है।''

श्री मसूद के इस कथन के बाद ईरान के 22 विश्वविद्यालय के छात्रों ने उनका जमकर समर्थन किया था। परंतु एक प्रश्न है कि क्या ईरान के धर्मगुरु खुमैनी जिनके पास परिषद की सत्ता है वे यह सब होने देंगे। क्या वे हिजाब की अनिवार्यता को, पश्चिमी देशों के साथ परमाणु समझौता को, बहाल करने, ईरान को विश्व पटल पर चीनी चंगुल से बाहर निकाल कर मुक्तभूमि की भूमिका अदा करने, इजरायल से रिश्ते सुधारने, फाइनेंशियल एक्शन टास्क को लागू करने जैसी नीतियों को लागू करने देंगे। हालांकि डॉ. मसूद ईरान सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं और इसलिये उन्हें सरकार के अंदरूनी समस्या व बाध्यताओं की बेहतर जानकारी है परंतु खुमैनी की भविष्य की भूमिका और कटटरपंथी जलीली के प्रतिशोध और विरोध का मुकाबला उन्हें करना होगा। यही उनके कौशल और राजनीति की परीक्षा होगी। दरअसल यह ईरान की कट्टरपंथी सत्ता के लिये यू-टर्न जैसा होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि ईरान की जनता व यूथ डॉ. मसूद के साथ खड़ा है, परंतु मजहबी कटटरपंथ भी आसानी से क्या यह होने देगा? यह चिंता का विषय है।

कई इलाकों में जिस प्रकार पिछली रईसी सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिये सेना का सहारा लेकर जुल्म ढाये और अपराधिक मुकदमे बनाये थे, उन्हें भी वापिस करना डॉ. मसूद के लिये एक बड़ी चुनौती होगी। हालांकि युवकों का विशाल जनसमर्थन और उत्साह उनकी एक बड़ी शक्ति है। डॉ. मसूद के नारे पर इसलिये युवकों व मतदाताओं ने विश्वास किया था क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि 'जिन सुधारों का वायदा कर रहे हैं यदि वह न ला पाये तो वह समय से पूर्व इस्तीफा दे देंगे।' निसंदेह यह उनके संकल्प का द्योतक है और नैतिकता का भी। परंतु ऐसी स्थिति ईरान की जनता के नये ईरान के सपने और कट्टरपंथ की हुई हार को जीत में बदल सकती है। इस समय दुनिया के सभी उदारवादियों, लोकतंत्रवादियों को कट्टरपंथ के खिलाफ ईरान के जनमत और मसूद के लिये खुला समर्थन व सहयोग देना चाहिये। अगर डॉ. मसूद अपने लक्ष्य में सफल हो जायेंगे तो यह न केवल नये ईरान के लिये बल्कि नई दुनिया के लिये महत्वपूर्ण घटना साबित होगी। कट्टरपंथ के खिलाफ आंदोलन सारी दुनिया में उठेगा, नौजवान सिविल नाफरमानी के लिये निकलेंगे एक उदारमना दुनिया के रास्ते की संभावना बनेगी।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पश्चिमी दुनिया ने जो प्रतिबंध ईरान पर लगाये थे जिससे ईरान का व्यापार सिकुड़ा है, डॉ. मसूद की नीति के चलते अब यह संभावना है कि इन प्रतिबंधों से ईरान को मुक्ति मिले और ईरान, यूरोप व दुनिया में व्यापार व विकास का एक अग्रणी देश बन सके।

जो देश दुनिया में लोकतंत्र के अग्रणी होने का दावा करते थे आज वे घोर अलोकतांत्रिक सिद्ध हो रहे हैं। एक सदी तक दुनिया में अमेरिका के राष्ट्रपति लिंकन का यह जुमला आदर्श वाक्य के रूप में उद्धित किया जाता था कि डेमोक्रेसी इज ए गर्वमेंट ऑफद पीपुल, बाय द पीपुल एंड फॉर द पीपुल्य याने लोकतंत्र जनता को जनता द्वारा तथा जनता के लिए शासन है, परंतु आज वही अमेरिका ट्रंप जैसे अराजक व हिंसक मानसिकता के व्यक्ति को सत्ता देने के लिये लालायित है। जहाँ एक तरफ डॉ. मसूद ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति कहते हैं कि मैं वायदे पूरा नहीं कर सका तो इस्तीफा दे दूंगा।

और दूसरी तरफ अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन, जिन्हें उनकी पार्टी ही नहीं स्वीकार कर रही क्योंकि वे इतने उम्रदराज हो चुके हैं कि विस्मृति के शिकार हैं और अमेरिका की जनता व उनकी पार्टी चाहती है कि वह चुनाव की रेस से बाहर हो जायें ताकि रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप जिन्हें अमेरिकी लोकतंत्र के लिये अमेरीकी प्रबुद्ध वर्ग खतरा मान रहा, चुनाव न जीत सके तथा डेमोक्रेटिक पार्टी पुनरू जीतकर आ सके, कह रहे हैं कि 'अब तो मैं बस ईश्वर के कहने से ही रेस से हटूँगा। 'जाहिर है कि ईश्वर यह काम नहीं करता और जो बाइडन अपनी महत्वाकांक्षा के लिये अपनी ही पार्टी को मिटाने व हराने को तैयार हैं। डॉ. मसूद ने न केवल ईरान की राजनीति के लिये बल्कि दुनिया के लिये जो नैतिकता का संदेश दिया है वह उसके लिये बधाई के पात्र हैं।

मुद्दा

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं।

रफ्तार के साथ बढ़े हादसे

देश में सड़कों पर एक्सप्रेस हाइवे, चैड़ीकरण और ग्रामों में सड़कों के विस्तार से जिस अनुपात में रफ्तार की सुविधा बढ़ी है, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। दुर्घटनाएं भी भीशण रूप में देखने में आ रही हैं। आधुनिक तकनीक से निर्मित आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर तेज गति से चल रही बस उन्नाव में तेज रफ्तार से चल रहे टैंकर से टकरा गई, जिसमें 18 लोगों के मारे जाने की घटना, पूर्व की दुर्घटनाओं की ताजा कड़ी है। पूरे देश में एक्सप्रेस-वे पर निरंतर दुर्घटनाएं घट रही हैं। यह चिंता की बात है कि आखिर ये हादसे क्यों हो रहे हैं? केंद्र सरकार ने नवंबर 2022 में जानकारी दी थी कि देशभर में हई कुल सड़क दुर्घटनाओं में 32.9 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे पर घटी हैं। इनकी वजह तेज गति रही है। दुर्घटनाओं के बढ़ने का एक बड़ा कारण देश को कार और दो पहिया वाहनों से पाट देना भी है। ऐसे में जल्दी मंजिल पाने की होड़ में वाहनों की गति बढ़ा दी जाती है और जब सामने कोई जानवर या वाहन आ जाता है तो रफ्तार को नियंत्रित करना संभव नहीं रह जाता। शराब पीकर वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है।

अब तक यह आम धारणा बनी हुई है कि सड़क हादसे राजमार्गों पर अधिक होते हैं। किंतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एक नई तस्वीर पेश की है। इससे पता चला है कि राजमार्गों से कहीं अधिक हादसे भीतरी सड़कों पर भी होने लगे हैं। यह वाकई हकीकत है। ग्रामीण इलाकों में जबसे ट्रैक्टर, बाइक और कार-जीपों की संख्या बढ़ी है, तब से इन छोटे समझे जाने वाले मार्गों पर दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बीते दो दशकों के भीतर गांव-गांव सड़कें पहुंची हैं और उसी तादाद में वाहन भी बढ़े हैं। विडंबना यह भी रही कि इसी दौरान गांव-गांव शराब की वैध-अवैध बिक्री भी शुरू हो गई, जो दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन रही है। यही वह दौर रहा है जब आम लोगों में बेफिक्री से वाहन चलाने का चलन बढ़ा हैं। साथ ही इन क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण की सुविधा नहीं होना भी हादसों का एक कारण है।

सड़क हादसों में भारत को हर साल मानव संसाधन का सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय सड़क संगठन (आईआरएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिषत से ज्यादा हैं। इस जानकारी के अनुसार 12.5 लाख लोगों की दुनिया में प्रतिवर्ष सड़क हादसों में मौतें होती हैं, इनमें सर्वाधिक भारत में होती है। जो परिवार हादसे में अपने परिजन को गंवाता है, उस पर पांच लाख रुपए का औसतन अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं में शराब पीकर वाहन चलाना, नाबालिग बाइकर्स का सड़कों पर बेलगाम होना भी हैं, वहीं देश में बढ़ते सड़क हादसों के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों में भी तलाषे जा रहे हैं। दरअसल देष में हरेक साल करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और चार से पांच लाख घायल होते हैं, उनमें ज्यादातर युवा होते हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बाइकर्स का आतंक छाया हुआ है।

दूसरी तरफ सरकार राजमार्गों पर ऐसे स्थल तलाश रही है, जहां अधिकतम दुर्घटनाएं होती हैं। इसके बाद इन स्थलों पर ऐसे सुधार किए जाएंगे,जिससे घटनाएं कम हों। राजमार्ग लंबे व तेजगति के सफर के लिए होते हैं। इसलिए अक्सर वाहनों की गति तेज रहती है। भारी मालवाहक वाहन राजमार्गों से ही गुजरते हैं। ऐसे में यदि वाहन चालकों को आसानी से शराब की उपलब्धता दिखाई दे तो उसके प्रति स्वाभाविक रूप से लालच पैदा हो जाता है। इसके सेवन के साथ ही खतरे की आशंका बढ़ जाती है। राजमार्गों पर हर पांच किलोमीटर की दूरी पर औसतन शराब की तीन दुकानें हैं। इस बावत पूर्व प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शराब लॉबी के दबाव में अंधाधुंध परमिट बांटने की प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि, 'शराब के भयावह सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर खूब चर्चा की जाती है, लेकिन संवैधानिक निर्देश के बावजूद सरकारें शराब पर अंकुश लगाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखा पाती हैं। शराब कारोबारी भी धन के बूते ऐसी पहलों को व्यर्थ कर देते है और सरकारें राजस्व कमाई की दुहाई देकर शराब बिक्री जारी रखती हैं।'

पिछले डेढ़ दशक में देशभर की सड़कों पर क्षमता से अधिक वाहन आए हैं। अगस्त 2022 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में जानकारी दी थी कि देश में 21 करोड़ से ज्यादा दो पहिया और सात करोड़ से ज्यादा चार पहिया वाहन पंजीकृत हैं। नतीजतन सड़क दुर्घटनाएं भी नई ऊंचाई पर पहुंच रही हैं। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, इनमें 1,68,491 लोगों की मौतें हुईं और करीब 4.45 लाख लोग भी घायल भी हुए थे। 2021 की तुलना में 2022 में 12 प्रतिशत दुर्घटनाएं बढ़ गई और मरने वालों की संख्या भी 9.4 प्रतिशत बढ़ गई है। इन हादसों में ज्यादातर मरने वाले लोगों में 40 फीसदी, 26 से 45 आयुवर्ग के होते हैं। यही वह महत्वपूर्ण समय होता है, जब इन पर परिवार के उत्तरदायित्व के निर्वहन का सबसे ज्यादा दबाव होता है। ऐसे में दुर्घटना में प्राण गवां चुके व्यक्ति के परिजनों पर सामाजिक, आर्थिक और आवासीय समस्याओं का संकट एक साथ टूट पड़ता है। इन हादसों में 19 से 25 साल के इतने युवा मारे जाते हैं, जितने लोग कैंसर, टीबी और मलेरिया से भी नहीं मरते। ये हादसे मानवजन्य विसंगतियों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। आबादी में पीढ़ी व आयुवर्ग के अनुसार जो अंतर होना चाहिए, उसका संतुलन भी गड़बड़ा रहा है। यदि सड़क पर गति को नियंत्रित नहीं किया गया तो सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि शायद आबादी नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की जरुरत ही नहीं रह जाएगी ?

यातायात सुचारु रूप से संचालित हो, इसके लिए जापान, अमेरिका और सिंगापुर के यातायात कानून से भी सीख लेने की बात कही जा रही है। खासतौर से यूरोपीय देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आचार संहिता लागू है, जिसका ज्यादातर देश पालन करते हैं। इस संहिता के मुताबिक यदि किसी कार की गति 35 किमी प्रति घंटा है, तो दो कारों के बीच की दूरी 74 फीट होनी चाहिए। 40 मील प्रतिघंटा की रफ्तार होने पर यह अंतर 104 फीट और 45 फीट की गति पर यह अंतर 132 फीट होना चाहिए। संहिता में चालकों के नियम भी तय किए गए हैं। यदि चालक की मुट्ठी बंद करने की ताकत पौने सोलह किलोग्राम से कम निकलती है तो माना जाना चाहिए कि यह व्यक्ति वाहन चलाने लायक नहीं है। संहिता की शर्त के मुताबिक वाहन चलाने लायक उस व्यक्ति को माना जाएगा जो 20 मीटर आगे चल रहे वाहन का नंबर आसानी से पढ़ ले। हमारे यहां तो 80 साल के षक्ति और दृष्टि से कमजोर हो चुके बुजुर्ग भी सड़कों पर वाहन चलाते खूब देखे जाते हैं। फिर वाहनों के अनुपात में हमारी सड़कों पर जगह भी नहीं है। 74 फीट दूरी बनाएं रखने की बात तो छोड़िए, देश के महानगरों में 2 से 5 फीट की दूरी वाहनों के बीच बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। जाहिर है, हम लायसेंस प्रणाली को श्रेष्ठ बनाने के लिए बात भले दुनिया के देशों का अनुकरण करने की करें, लेकिन नतीजे कारगर निकलें ऐसी उम्मीद कम ही है ? लिहाजा सड़कों से वाहन कम किए बिना दुर्घटनाओं से छुटकारा मुश्किल है। दूसरी तरफ कार एवं बाइक लॉबी हमारे यहां इतनी मजबूत है कि वह कारों के उत्पादन में कमी लाने नहीं देगी, बल्कि उसकी तो कोशिश है कि कारें सड़कों पर निर्बाध चलें। इसके लिए पदयात्री, साइकिल, तांगा और साइकिल रिक्षा को ही सड़कों से हटा दिया जाए ?

कटाक्ष

सुरेश सौरभ

बड़े चोरों के भरोसे

बाढ़ के पानी से तमाम गांव लबालब भर चुके थे। बाढ़ सब बहा ले गयी, अब सिर्फ लोगों की आंखों में पानी ही पानी बचा था। रात का वक्त है-भूख से कुत्तों का रुदन राग बज रहा है। वहीं पास में बैठे कुछ चोर अपने-अपने दुःख का राग अलाप रहे हैं।

एक चोर बोला-सारा धंधा चौपट कर दिया इस पानी ने, सोचा था दिवाली आने वाली है कहीं लम्बा हाथ मारूंगा, पर अब तो भूखों मरने की नौबत आ गई। दूसरा चोर लम्बी आह भर कर बोला-लग रहा, आकाश से पानी नहीं मिसाइलें बरसीं हैं, हर तरफ पानी बारूद की तरह फैला हुआ नजर आ रहा है। उनके तीसरे मुखिया चोर ने चिंता व्यक्त की-हम टटपुंजिये चोरों के दिन गये। अब तो बड़े-बड़े चोरों के दिन बहुरने वाले हैं। कल गांव में टहल रहा था। बाढ़ में फंसे लोग आपस में बातें कर रहे थे कि सरकार ऊपर से राहत सामग्री बहुत भेज रही है, पर नीचे वाले बंदर, बंदरबांट में लगे हैं, यही आपदा में अवसर, अफसरों का माना जाता है।

चौथा चोर दार्शनिक भाव में बोला-अब हम बाढ़ में फंसे पीड़ित, परेशान लोगों को क्या लूटें? चलो सुबह उन बड़े चोरों के पास चलें, जो राहत समग्री बांटते हुए गरीबों का हक जोकों की तरह चूस रहे हैं और गांव के भोले-भाले लोग उन्हें अपना भगवान मान कर उनके भक्त बने हुए हैं। सुबह वे चोर सरकारी राहत सामग्री पाने के लिए कतार बद्ध भीड़ में खड़े थे। उनके सामने एक अधिकारी अपने हाथ में भोंपू लिए ऐलान कर रहा था-सब लोग लाइन से ही राहत समग्री लें और जिन्हें कल कूपन दिये गये थे उन्हें ही आज राशन मिलेगा। जिनके पास कूपन नहीं है, वे यहां फालतू में न खडे हो। हमारी टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही है जो प्रभावित होंगे उन्हें ही कूपन मिलेंगे। और जो डेट कूपन पर होगी, उसी डेट पर उन्हें राहत सामग्री मिलेंगी। यह ऐलान सुन वह सारे चोर हैरत से एक दूसरे का मुंह ताकने लगे, क्योंकि किसी के पास

कूपन नहीं थे। तब तीसरा मुखिया चोर बोला-कल लोग इसी के कूपन-उपन बांटने जैसी कुछ चर्चा कर रहे थे, कल यही अपने लोगों से वसूली करा रहा था। फिर उनकी इशारों से मंत्रणा हुई। सारे चोर कतारों से हट लिए। रास्ते में उनका मुखिया चोर बोला-अब हमसे बड़े-बड़े पढ़े-लिखे चोर गांवों में आ गये हैं। अब हमें चोरी छोड़ कर नेतागीरी करनी चाहिए, शहरों में कुछ बड़े-बड़े नेता-मंत्री हमारी पहचान के मित्र हैं, उनका यही कहना हैं। क्योंकि चोरी छोड़ कर ही, वे माननीय बने और करोड़पति भी। अब सारे चोर माननीय बनने की तरतीब में बतियातें हुए जा रहे थे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

अनिल ठाकुर

लेखक स्तंभकार हैं।

आज की जरूरत सकारात्मक राजनीति

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में मतदाता पूरी तरह उदासीन नजर आए, एक बहुत बड़ी संख्या बूथ तक पहुंची ही नहीं। प्रथम दो चरणों में मतदाता निष्क्रिय रहे, बाद के चरणों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि जरूर हुई, मगर पिछले आम चुनाव के मुकाबले मत प्रतिशत में अंतर बहुत अधिक रहा। चुनाव पूर्व बनी मतदाता सूची में भी युवाओं की एक बड़ी संख्या ने स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने में रुचि नहीं ली। युवा मतदाताओं की इस उदासीनता को स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। विश्व में भारत की एक मजबूत लोकतंत्र की छबि है। ऐसे समय में जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र का स्वप्न देख रहेहै, मतदाता विशेष रूप से युवा मतदाता की यह उदासीनता सभी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कौन से ऐसे कारण है जिनकी वजह से मतदाताओं की रुचि कम होती जा रही है, इनके अध्ययन एवम निराकरण की जरूरत है। युवा मतदाता की बात करें तो उनकी प्राथमिकता उनका भविष्य है। दिन प्रतिदिन महंगी होती जा रही शिक्षा प्रणाली में लंबे संघर्ष के बाद मनचाही शिक्षा और रोजगार प्रत्येक युवा का स्वप्न होता है। तो क्या युवा मतदाता को किसी भी दल से बढ़ती बेरोजगारी की समस्या के समाधान की कोई उम्मीद नहीं ? महंगाई से परेशान मध्यम वर्ग को कोई राहत दिखाई नही दे रही। लोकसभा चुनाव में ये मुद्दे प्रमुख थे, लेकिन सत्ता और विपक्ष दोनों ने इन मुद्दो को दरकिनार कर नए विमर्श पर चुनाव लड़ा , जो एक नकारात्मक राजनीति का द्योतक है।

इसे सभी को स्वीकार करना चाहिए कि चुनाव नतीजों ने दोनो पक्षों को आईना दिखाया है। तर्क के आधार पर यह तो सिद्ध किया जा सकता है कि मेरी कमीज तेरी कमीज से ज्यादा सफेद है लेकिन यह नही कहा जा सकता कि दामन पाक साफ है।

मतदाता को यह उम्मीद थी कि इन नतीजों से दोनो पक्ष कोई सबक लेंगे, लेकिन नतीजों के बाद के बयानों और नई संसद के प्रथम सत्र में जो घटनाएं एवम दृश्य देखने को मिले, उसमें किसी भी पक्ष के सबक लेने के लक्षण नजर नहीं आए। इसके लिए दोनो पक्ष एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे है, जबकि वास्तव में कोई थोड़ा भी झुकने या सहनशीलता का परिचय नही दे रहा। नतीजन जिन मुद्दों पर एक अच्छी स्वस्थ बहस से उनके निराकरण का रास्ता निकालने का प्रयास हो सकता था या तथ्य सामने आते वे सब धूमिल हो गए, सत्र मात्र एक औपचारिकता बन कर रह गया। रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ, कृषि, महिलाओं , बालिकाओं का उत्पीड़न ये कुछ ऐसे मुद्दे है जिन पर राजनीति से हटकर गहन विचार विमर्श होना चाहिए। किसी भी सरकार को चाहे वह केंद्र की हो या राज्य की अभी तक इन मुद्दो पर पूरी सफलता नहीं मिल पाई है। ये ऐसे मुद्दे है जिनसे देश का एक एक नागरिक प्रभावित होता है।

संसद जनता के मुद्दों को सामने लाने, उनकी समस्याओं को समझने, सुलझाने का साधन है, व्यक्तिगत बदला लेने या शक्ति दिखाने का मंच नही। कौन कितना शक्तिशाली या कमजोर है यह निर्णय जनता दे चुकी है, जरूरत है दोनों पक्ष उस लक्ष्मण रेखा की मर्यादा का पालन करें। कहा किससे क्या चूक हुई है या मतदाता की सोच क्या है , यह स्पष्ट संदेश दोनो पक्षों को दिया है। यह उन पर निर्भर करता है कि वे इसे किस चश्में से पढ़ते है। कुछ ही दिनों में बजट सत्र शुरू होने वाला है, अनेकों संभावनाओं के दम पर दोनो पक्ष अभी भी कही सामंजस्य की नीति पर चलने को तैयार नहीं है। कुछ राज्यों के उपचुनाव के नतीजों के आधार पर भी नए विमर्श (नरेटिव) गढ़े जायेंगे। ऐसे में बजट सत्र और उपचुनाव के बाद ही राजनीतिक मौसम में कुछ ठंडक आने की उम्मीद की जा सकती है। चुनाव की विधिवत घोषणा के पहले जो चुनाव एकतरफा नजर आ रहे थे, नतीजों ने पूरा परिदृश्य ही बदल दिया।

ऐसे में इन नतीजों के आधार पर 2029 के नतीजों की उम्मीद करना बेमानी होगा। आम मतदाता यह उम्मीद कर रहा है कि नेता अपनी महत्वाकांक्षाओं को एक तरफ रख उनकी समस्याओं, परेशानियों को दूर करने का प्रयास करेंगे। देश हित में राजनेताओं को सकारात्मक राजनीति की तरफ लौटना होगा, अन्यथा जो परिणाम होंगे वे ज्यादा भयावह हो सकते है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

आवारा कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण को लेकर याचिका

नगर निगमों को जानवर जन्म नियंत्रण और एंटी रेबीज कार्यक्रम को संयुक्त रूप से लागू करने की आवश्यकता है। कानून के तहत निर्धारित नगर निगम तथा जवाबदार संस्थाएं अपने कर्तव्यों और कार्यों का पालन नहीं कर रहे। शहर में कुत्तों की आबादी को रोकने के लिए कोई प्रभावी नसबंदी कार्यक्रम भी नहीं किया जा रहा है। यह आबादी एक भयावह दर से बढ़ रही है, भले ही केंद्र सरकार द्वारा इस उद्देष्य के लिए उन्हें करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हों।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने एनजीओ कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स द्वारा दायर एक याचिका के संबंध में नोटिस जारी किया। इस याचिका का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में आवारा कुत्तों की ठीक से नसबंदी और टीकाकरण किया जाए। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई कर नोटिस जारी करने का यह आदेश पारित किया। याचिका में कहा गया है कि अधिकारी आवारा कुत्तों के लिए कोई प्रभावी नसबंदी या टीकाकरण कार्यक्रम चलाने में विफल रहे हैं (कमोबेस इन्दौर व अन्य स्थानों पर भी यही स्थिति है)। इससे पहले भी एनजीओ और त्रिवेणी अपार्टमेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने जनहित याचिकाओं के साथ दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ता), नियम, 2001 को लागू करने की मांग की, जो पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत स्थापित किए गए थे। इन नियमों के तहत अधिकारियों को आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता होती है।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि अधिकारियों द्वारा अपने वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में विफलता के कारण दिल्ली में आवारा कुत्तों की आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। साथ ही कुत्तों के काटने के मामले में भी वृद्धि हुई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार की पशुपालन इकाई और दक्षिण दिल्ली नगर निगम के हलफनामों से संतुष्ट होकर इन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इन हलफनामों में कहा गया है कि अधिकारी नियमित रूप से आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कर रहे थे और अपने वैधानिक कर्तव्यों को पूरा कर रहे थे। इसके बावजूद, उच्च न्यायालय ने इस सार्वजनिक समारोह के महत्व पर जोर देते हुए दिल्ली सरकार और नागरिक अधिकारियों को आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण में अपने प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय के फैसले से असंतुष्ट याचिकाकर्ता एनजीओ ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

याचिकाकर्ता की ओर से कुत्ते के काटने के मुद्दे पर प्रकाश डाला गया और दावा किया कि सूचना के अधिकार की प्रतिक्रियाओं ने नसबंदी के प्रयासों की कमी का पता चलता है। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे जन जागरूकता के लिए अपनी नसबंदी डेटा को अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित करें। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि याचिकाकर्ता ने शुरू में आवारा कुत्तों को पिंजरे में बंद करने की मांग की थी। हालांकि, याचिकाकर्ता संगठनों की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि उनका प्राथमिक अनुरोध नसबंदी और प्रासंगिक डेटा के सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए था।

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक याचिका में यह माना था कि आवारा कुत्ते का जन्म नियंत्रण के लिए आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्य है। कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स द्वारा दायर याचिका में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 9, 11 और पशु नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 के नियम 3, 5, 6 और 7 के तहत परिकल्पित कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रतिवादियों को निर्देश देने की मांग करते हुए, मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की खंडपीठ ने नगर निगम तथा विपक्षी कर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि वे आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए अपने प्रयासों और अभियान को जारी रखें, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्य है। इसे पूरी गंभीरता से करने की आवश्यकता है। याचिका में आवारा कुत्तों के लिए नियम 3 (3) नियम 5 (ए) और नियम 6 (2) पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 के संदर्भ में नियमित 'नसबंदी और टीकाकरण'/टीकाकरण कार्यक्रमों को नियमित अंतराल पर करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

नियम 7 के खंड 4 में निर्धारित मानवीय तरीकों का उपयोग करने का प्रावधान है, ताकि उनकी आबादी को नियंत्रित किया जा सके और उन्हें रेबीज से पीड़ित होने से रोका जा सके। यह नियम 6 के खंड (4) के संदर्भ में पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 के कार्यान्वयन के संबंध में की गई प्रगति के मूल्यांकन के लिए सभी डेटा/सामग्री का खुलासा करने का प्रावधान करता है, जो एक अनिवार्य खंड है। इस प्रकार, याचिकाकर्ता की मूल शिकायत यह थी, कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 प्रमाण के तहत बनाए गए

नियम। पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ता) नियम, 2001 का अनुपालन नहीं किया गया हैकेंद्र सरकार ने पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 को पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत 10 मार्च, 2023 के एक गैजेट के माध्यम से अधिसूचित किया है और पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ता) नियम, 2001 को हटा दिया है। इन नियमों ने एक रिट याचिका में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों को संबोधित किया है। इसे भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा आवारा पशु की समस्याओं के उन्मूलन के लिए बनाया गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न आदेशों में विशेष रूप से उल्लेख किया है कि कुत्तों के स्थानांतरण की अनुमति नहीं दी जा सकती है। मौजूदा नियमों के अनुसार, आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम संबंधित स्थानीय निकायों/नगर पालिकाओं/नगर निगमों और पंचायतों द्वारा किया जाना है। इसके अलावा पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को अंजाम देने में शामिल क्रूरता को संबोधित करने की आवश्यकता है। इन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन से, पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम स्थानीय निकायों द्वारा संचालित किया जा सकता है जो पशु कल्याण के मुद्दों को संबोधित करते हुए आवारा कुत्तों की आबादी को कम करने में मदद करेगा। नगर निगमों को एबीसी और एंटी रेबीज कार्यक्रम को संयुक्त रूप से लागू करने की आवश्यकता है। नियमों में दिशा निर्देश भी दिए गए हैं कि कुत्तों को किसी क्षेत्र में स्थानांतरित किए बिना मानव और आवारा कुत्तों के संघर्ष से कैसे निपटा जाए।

नियम के तहत आवश्यकताओं में से एक यह है कि पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से मान्यता प्राप्त एडब्ल्यूबीआई मान्यता प्राप्त संगठन द्वारा किया जाना चाहिए। ऐसे संगठनों की सूची बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी जिसे समय-समय पर अपडेट भी किया जाएगा। केंद्र सरकार पहले ही सभी राज्यों के मुख्य सचिवों, पशुपालन विभाग और शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिवों को पत्र जारी कर चुकी है। इसलिए, स्थानीय निकायों से अनुरोध किया जाता है कि वे नियमों को अक्षरशः लागू करें और किसी भी संगठन को ए.बी.सी. कार्यक्रम करने की अनुमति न दें जो एडब्ल्यूबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं हैं और पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के लिए अनुमोदित हैं या अन्यथा नियमों में विस्तृत हैं।

इन नियमों के अनुसार, आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को कम करने के लिए आवारा कुत्तों के लिए नियमित नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करना उत्तरदाताओं का कर्तव्य है। वैधानिक कर्तव्यों का पालन न करने के कारण, दिल्ली शहर में आवारा कुत्तों की आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप 'कुत्तों के काटने के मामलों में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि प्रतिवादी कानून के तहत निर्धारित नगर निगम तथा जवाबदार संस्थाएं अपने कर्तव्यों और कार्यों का पालन नहीं कर रहे हैं। शहर में कुत्तों की आबादी को रोकने के लिए कोई प्रभावी नसबंदी कार्यक्रम भी नहीं किया जा रहा है।

यह आबादी एक भयावह दर से बढ़ रही है, भले ही केंद्र सरकार द्वारा इस उद्देश्य के लिए उन्हें करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हों। उच्च न्यायालय ने कहा था कि नगर निगम व अन्य संबंधित विभागों द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट के अवलोकन पर, न्यायालय संतुष्ट है कि वे नियमित रूप से आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कर अपने वैधानिक कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्यर्थियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वे आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए अपने प्रयासों और अभियान को जारी रखें, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्य है और इसे पूरी गंभीरता से करने की आवश्यकता है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आखिर सर्वोच्च न्यायालय इस लोकहित याचिका पर क्या निर्णय लेता है, क्योंकि पूरा देश कुत्तों के काटने की समस्या से ग्रस्त है।

शिक्षा

कुंवर प्रांजल सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय की शताब्दी और नई शिक्षा नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) विगत दो वर्षों से अपना 'शताब्दी कार्यक्रम' को मना रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय ने शिक्षा, सूचना, प्रौद्योगिकी आदि से जुड़ें कई कार्यक्रम करवाए। जिसमें छात्रों, शिक्षकों, और शिक्षाविदों को ज्ञान अर्जन और आपस में जुड़ने का अवसर मिला। अपनी शताब्दी पूर्ण करना किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए एक गर्व का विषय है। आज दिल्ली विश्वविद्यालय, पूरे शहर में 16 संकाय, 86 शैक्षणिक विभाग, 77 कॉलेज और 5 अन्य मान्यता प्राप्त संस्थान और 4 लाख से अधिक छात्रों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी विश्वविद्यालय प्रणालियों में से एक है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023 द्वारा विश्वविद्यालय को 11वां स्थान दिया गया है। पर विगत 100 वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक लम्बा और चुनौतियों से भरा सफर तय किया है।

1922 में जब केंद्रीय विधान सभा के एक अधिनियम द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, तब दिल्ली में केवल चार कॉलेज थेः सेंट स्टीफंस कॉलेज (1881), हिंदू कॉलेज (1899), ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (1792) और रामजस कॉलेज (1917) जो बाद में इससे संबद्ध हो गए। इस प्रकार विश्वविद्यालय की शुरुआत केवल चार कॉलेजों, दो संकायों (कला और विज्ञान) और लगभग 750 छात्रों के साथ हुई थी। अक्टूबर 1933 में विश्वविद्यालय के कार्यालय और पुस्तकालय वाइसरीगल लॉज एस्टेट में स्थानांतरित हो गए, और आज तक इस स्थान पर विश्वविद्यालय के मुख्य पदाधिकारियों और वाइस चांसलर के कार्यालय हैं।

डीयू ने अपनी शताब्दी का हर्ष अकेले नहीं मनाया। विश्वविद्यालय के वर्तमान वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश सिंह ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लगभग सभी कॉलेजों में 4500 से अधिक पदों पर असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्तियां कराई। इस प्रकार उन्होंने अपने इस कथन को सार्थक कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि 'नेतृत्व का मतलब सिर्फ़ खुद से नहीं है, इसका मतलब दूसरों के विकास में निवेश करना है'। दिल्ली विश्वविद्यालय मूलतः दिल्ली के उत्तरी भाग में 'उत्तरी परिसर' से आरंभ हुआ था। पर तेजी से बढ़ते शहर के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना विस्तार किया है। 1973 में शहर के दक्षिणी भाग में 'दक्षिण परिसर' स्थापना की गई। वर्तमान में इस परिसर के निर्देशक के पद पर प्रोफेसर प्रकाश सिंह हैं, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान विभाग में प्रोफेसर हैं। इन्हीं दोनों परिसरों में डीयू के रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, प्राणी विज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान, इतिहास विभाग आदि को उन्नत अध्ययन का केंद्र का दर्जा दिया गया है। उन्नत अध्ययन के इन केंद्रों ने अपने क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में खुद के लिए एक जगह बना ली है। भारतीय राजनीति को डीयू ने कई ख्यात नेता दिए हैं। मात्र यही नहीं, डीयू ने कई विदेशी राजनेताओं और राज्य और सरकार के प्रमुखों को शिक्षित किया है, जिनमें म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की, मलावी के तीसरे राष्ट्रपति बिंगू वा मुथारिका, नेपाल के पूर्व प्रधान मंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला, पाकिस्तान के छठे राष्ट्रपति मुहम्मद जिया-उल-हक और भूटान के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों, सांगे नगेदुप और खांडू वांगचुक शामिल हैं।

कविता और साहित्य में उल्लेखनीय डीयू पूर्व छात्रों में साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता नाटककार और नाटककार हरचरण सिंह, उर्दू कवि अख्तर उल ईमान, और लेखक विक्रम सेठ, अनीता देसाई (तीन बार बुकर पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट), अमिताव घोष, कुंजांग चोडेन, उपमन्यु चटर्जी, अली सरदार जाफरी और पद्म विभूषण प्राप्तकर्ता खुशवंत सिंह शामिल हैं। इतना ही नहीं, डीयू में पढ़ाने वाले संकाय सदस्यों में नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और भारत की पंचवर्षीय योजनाओं के वास्तुकारों में से एक स्वर्गीय सुखमय चक्रवर्ती ('दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' में पढ़ाया है)। प्रख्यात इतिहासकार आर.एस. शर्मा और रामचन्द्र गुहा, विदेश संबंध परिषद में अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र के वरिष्ठ साथी और कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर जगदीश भगवती शामिल हैं।

यह दर्शाता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय भारत के लिए बहुत अहम शैक्षणिक संस्थान रहा है। जिसने देश के प्रत्येक क्षेत्र में अपना

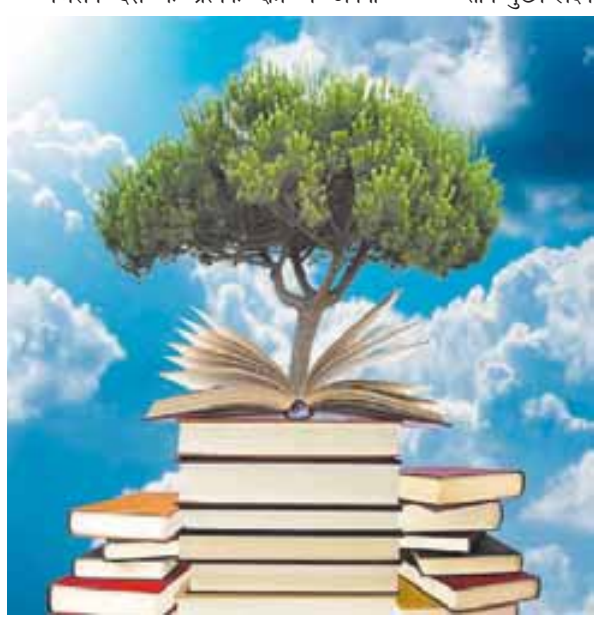

योगदान दिया है। नई शिक्षा नीति (NEP) इस विषय में और भी कारगर साबित हो सकती है। मोदी सरकार 2020 में के कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति (NEP) को लाई, जो 2024 से लागू है। जिसका उद्देश्य सबको गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है और भारत को 'वैश्विक ज्ञान महाशक्ति' के रूप में विकसित करना है। इसके लिए यह पुरानी शिक्षा व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन करने जा रही है। इसके तीन मुख्य लक्ष्य इस प्रकार हैंः (i) 3-18 वर्ष की आयु तक अनिवार्य शिक्षा देना, (ii) 'तीन भाषा सूत्र': मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाना, और (iii) स्नातक नामांकन अनुपात बढ़ाना।

उच्च शिक्षा के स्तर पर, नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को सूक्ष्मता से देखा जाए, तो यह उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए बहुत लाभदायक साबित होने वाली है। सर्वप्रथम, यह स्नातक नामांकन के लिए प्रशिक्षित छात्र उपलब्ध कराएगा, जो एक तय दृष्टिकोण के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। 'तीन भाषा सूत्र' उन सभी छात्रों के लिए रामबाण है, जो प्रभुत्वकारी भाषा की जानकारी नहीं रखते थे और भाषाई रूप से उपाश्रित हो जाते थे। अब वह अपनी मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बना सकते हैं। इसका तीसरा लक्ष्य, स्नातक नामांकन अनुपात को 2035 तक बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक लाना है। इसके लिए एक 'नो-ड्रॉपआउट' नियम को अपनाया गया है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र को लचीला बनाता है। अब यदि छात्र चाहें, तो वे एक वर्ष पूरा करने पर विश्वविद्यालय से प्रमाणपत्र, दो वर्ष पूरे होने पर डिप्लोमा, और तीन वर्ष पूरे होने पर अपनी डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। भारतीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र को अधिक सुदृढ़ करने के लिए एक एकछत्र निकाय, 'भारतीय उच्च शिक्षा आयोग' की स्थापना करेगा। जो भारत में उच्च शिक्षा से संबंधित सभी विषयों को देखेगा। आने वाले 15 वर्षों में, धीरे-धीरे विश्वविद्यालय के कॉलेजों को स्वायत्तता दी जाएगी,ताकि सभी कॉलेज निजी स्तर पर अपना प्रदर्शन सुधार सकें।

इस नीति में भारतीय शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालयों के लिए फैकल्टी एक्स्चेंज कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। अर्थात विदेशी संकाय भारतीय विश्वविद्यालय के परिसर में अपने केंद्र खोल सकते हैं भारतीय संकाय सदस्य भी विदेशी विश्वविद्यालय में सेवाएं दे सकते हैं। यह भारतीय उच्च शिक्षा में निवेश को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। विश्वविद्यालय को सुचारू रूप से चलाने के लिए निधि की कोई कमी न रहे। हम देख सकते हैं कि नई शिक्षा नीति दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए नए अवसर लेकर आई है, जिसे अपनाकर दिल्ली विश्वविद्यालय भविष्य में संभवतः नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

साक्षात्कार

कर्मयोगी

(वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक)

'कविता बिना लिखे सोने नहीं देती'

चंडीगढ़ साहित्य अकादमी द्वारा 'लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार' से सम्मानित डॉ. राजेंद्र कुमार ने दर्जनभर कहानी संग्रह, कविता संग्रह व साहित्य की अन्य विधाओं के अलावा चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी कई पुस्तकें लिखीं। आकाशवाणी इलाहाबाद से उनकी लगभग 10 लघु नाटक प्रकारित हुए। कालांतर दूरदर्शन दिल्ली से अनेक कहानी व लघु नाटक प्रसारित हुए। एमबीबीएस व एमएस करने के दौरान इलाहाबाद में महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत आदि प्रतिष्ठित साहित्यकारों का आशीष व सानिध्य मिला।

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, पंजाब व हरियाणा के लोगों को डॉ. राजेंद्र कुमार कनोजिया का पहला परिचय तो यह लगता है कि वे देश के प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में अस्थिरोग विभाग के प्रोफेसर हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि वे सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, दुष्यंत उपेंद्रनाथ अश्क की सृजनभूमि इलाहाबाद की मिट्टी में पले-बढ़े व पढ़े हैं। साहित्य के संस्कार उनके रक्त में वहीं से आए हैं। लेकिन, वे मीडिया के प्रचार-प्रसार से दूर रहते हैं। मरीजों के उपचार में लिखे नुस्खों की तरह उनकी टेबल पर कागजों में कविताएं व कहानियों के अंश नजर आ जाते हैं। लेकिन, चुपचाप साहित्य सृजन में रत रहने वाले डॉ. कनोजिया ने दर्जनभर कहानी संग्रह, कविता संग्रह व साहित्य की अन्य विधाओं समेत चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी कई पुस्तकें लिखी।

डॉ. कनोजिया की परवरिश सृजन की प्रतिष्ठित भूमि की इलाहाबाद रही। जहां उन्हें एमबीबीएस व एमएस करने के दौरान महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत आदि प्रतिष्ठित साहित्यकारों का आशीष व सानिध्य मिला। यूं तो वे बचपन से ही लिखने लगे थे, कक्षा 9 में उनकी पहली कहानी सामने आई थी। आकाशवाणी इलाहाबाद से उनकी लगभग 10 लघु नाटक प्रकारित हुए। कालांतर दूरदर्शन दिल्ली से अनेक कहानी व लघु नाटक प्रसारित हुए। इसके अलावा देश की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं मसलन हंस, कथादेश, वागार्थ, नया ज्ञानोदय, समकालीन साहित्य, हिंदुस्तान, जनसत्ता, दैनिक ट्रिब्यून आदि में उनकी कहानियां, कविता और सफरनामा प्रकाशित होते रहे हैं। उनकी चर्चित कृतियों में हमारे हिस्से की दुनिया, हम और तुम (कविता संग्रह), लौटते हुए दिन, शिनाख्त, अधूरी दुनिया, सपने और कटी पतंग, प्रेम न हाट बिकाय (कहानी संग्रह), 'माइक्रोस्कोप' तथा 'काहे को दिनो विदेश' (उपन्यास) शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी कई पुस्तकें लिखी व संपादित की हैं।

पीजीआई चंडीगढ़ के अस्थिरोग विभाग में प्रोफेसर डॉ. कनोजिया ने आर्थोपेडिक पर भी दो पुस्तकें अंग्रेजी में लिखी है। हाल में उनकी चर्चा चंडीगढ़ साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार पंजाब के राज्यपाल द्वारा दिए जाने पर हुई। साहित्यिक यात्रा से जुड़े पहलुओं पर उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश :

कुदरत ने आपको क्या बनाया एक चिकित्सक या संवेदनशील रचनाकार?

डॉ. कनोजिया कहते हैं शायद कुदरत ने रोगों से त्रस्त मरीजों की सेवा करने का दायित्व मुझे सौंपा है। प्रत्यक्ष रूप से लोगों के कष्ट-दुख दूर कर सकूं, ये मेरी प्राथमिकता है। पीजीआई में काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। लेकिन, मुझे बचपन से लिखने का शौक रहा है। शायद ऐसा मेरी संवेदनशीलता के चलते हुए हुआ। लेखन से मुझे अच्छा महसूस होता है। साहित्य समाज से जोड़े रखता है। विभागीय दायित्व निभाने के बाद मुझे जो समय मिलता है उसमें लेखन का कार्य करता हूं। लेखन मेरे लिये योग व ध्यान जैसा रिलेक्स करने वाला होता है। एक मानसिक सुख मिलता है।

क्या आपके परिवार में कोई साहित्यकार रहा? आपको क्या लगता है कि एक परिवार में कोई संवेदनशील रचनाकार बन जाता है। अन्य भाई-बहनों के साथ ऐसा नहीं होता। क्या ये पूर्वजन्म के संस्कार होते हैं? मेरा मानना है कि घर में मां बहुत ज्यादा संवेदनशील थी। जरा-जरा सी असामान्य बात में उसकी आंखों में आंसू आ जाते थे। शायद समाज के दुख-दर्द के प्रति ज्यादा संवेदनशीलता होने का गुण मुझे मां से मिला है। कुछ देश के चोटी के साहित्यकारों का इलाहबाद में मिला सानिध्य भी इसके मूल में है।

कविता के आपके लिये क्या मायने हैं?

कविता के माध्यम से मैं समाज से जुड़ता हूं। कविता मन के दरवाजे खोलती है। खुद को अभिव्यक्त करता हूं। सही मायनों में कविता मेरे लिये जीवन के लिए आक्सीजन है। जब कविता को लेकर कोई विचार आता है तो कविता फिर सोने नहीं देती। कागज पर उतरकर ही बेचैनी शांत हो पाती है।

कहानी लिखने की शुरुआत कैसे हुई?

दरअसल, मैंने पहली कहानी कक्षा नौ में ही लिखी थी। एक बार पिता के साथ मुंबई गया तो, समुद्र को गहरे तक महसूस किया। उसके खारे पानी को देखा। समुद्र के किनारे पिता से प्रश्न किया कि समुद्र का पानी खारा क्यों होता है? पिता ने जवाब दिया कि इसमें नमक होता है। लेकिन मेरे मन इस विषय को व्यापक अर्थों में सोचने लगा। जिसके बाद में इस पर एक कहानी लिखी। उसे एक पुरुष रूप में चित्रित किया कि वह शुरू में अच्छा होता है। नदियों के मीठे पानी के तरह कालांतर परिस्थितियां उसे खारा बना देती हैं। यह वर्ष 1975-76 की बात रही होगी, फिर यह कहानी आकाशवाणी इलाहाबाद के युववाणी कार्यक्रम में प्रसारित हुई।

मौजूदा वक्त में जीवन मूल्यों के पराभाव व बाजारी शक्तियों के प्रभाव वाले दौर में कहानी अभिव्यक्ति के मायने में अपने दायित्वों को निभा पा रही है? दौर कोई भी हो कहानी समाज से ही उपजती है। समाज में जीवन मूल्यों को ही स्थापित करती है। कहानीकार कहानी के माध्यम से अपनी बात समाज तक पहुंचाता है। सृजन करना अच्छा महसूस करता हूं। साहित्य के जरिये समाज से जुड़ पाता हूं।

कविता लिखने की शुरुआत कैसे हुई?

स्कूल के दिनों में मेरे हिंदी के शिक्षक हमें लिखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। एक बार एक शीर्षक दिया गया 'इस माटी से तिलक करो' मैंने अलग ढंग से कविता लिखी। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रसिद्ध साहित्यकार रामकुमार जी आए थे, उन्होंने आशीर्वाद दिया। लिखने का हौसला बढ़ा। उसे खूब सराहा गया। बाद में उन्होंने उसे एक अखबार में छपवाया भी। वर्ष 1976-77 में किसी पत्रिका से पांच रुपये का मनीऑर्डर आया। बहुत खुशी हुई थी। उन दिनों धर्मयुग, सरिका,कहानी व साप्ताहिक हिंदुस्तान का दौर था। इनमें रचनाएं छपती थी। उन्हीं दिनों पेंटिंग की प्रतियोगिता हुई तो पुरस्कार देने महादेवी वर्मा जी आयी। उन्होंने खूब प्रोत्साहित किया। इस दौरान छायावाद के प्रतिनिधि कवि सुमित्रानंदन पंत तथा उपेंद्रनाथ अश्क जी से मिलने का अवसर भी मिला।

आपकी साहित्यिक गतिविधियों को तब परिवार किस तरह देखता था?

हम एक मध्यमवर्गीय परिवार से थे। उस समय साहित्कारों की माली हालत अच्छी नहीं होती थी। हर परिवार की इच्छा होती थी कि बच्चा सरकारी अधिकारी बने। पिताजी दुलारेलाल कनोजिया एक सरकारी कर्मचारी थे। मेरे दो भाई व बहन थी, माता-पिता का बड़ा संघर्ष था। छोटा मकान था, लेकिन उसमें बड़ा सुख था। मां चूल्हें में लकड़ियों से खाना बनाती थी। अच्छा लगता था। आंगन में सोते थे तो आसमान दिखता था। आसमान में तारे दिखते थे। मेरी साहित्यक सक्रियता पिता को अच्छी लगती थी, लेकिन उन्होंने कहा कि मैं पहले अपने कैरियर पर ध्यान दूं। सफलता मिलने के बाद साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय रहूं। जब मेरा चयन मेडिकल परीक्षा में हो गया तब पिता ने कहा कि अब मैं साहित्यिक सक्रियता बनाए रख सकता हूं।

आप अक्सर कहते रहे हैं कि बिना संवाद के कहानी अधूरी है?

मेरा मानना रहा है कि जब तक संवाद बातचीत न हो तो कहानी कैसी? कहानी गूंगी नहीं हो सकती। कहानी गद्य नहीं। एक वृतांत है। उसमें जीवन होना चाहिए। उसमें समाज दिखना चाहिए। यह बात कमलेश्वर और राजेंद्र यादव की रचनाओं में दिखती थी।

इस पुरस्कार के आपके के लिये क्या मायने हैं?

पुरस्कार मिलना अच्छा लगता है। आपके काम को पहचान मिलती है। आप जो रच रहे हैं उसे समाज में पढ़ा जाता है। आपकी बहुआयामी प्रतिभा का एक पक्ष यह भी है कि आप एक अच्छे चित्रकार भी हैं? व्यस्त समय से कुछ पल निकालकर जो कर पाया वो मुझे संतुष्टि देता है। पेंटिंग्स में भी रुचि है। हंस, कथादेश, समकालीन भारतीय साहित्य इत्यादि पत्रिकाओं के मुख्यपृष्ठ और अन्य चित्र बनाए हैं।

यह भी सुखद अहसास है कि आपके अपने परिवार में डॉक्टर, उपन्यासकार, चित्रकार हैं।

मेरी जीवन संगिनी डॉ. नीना मेरी लाइफ लाइन हैं। वो मेरी किसी भी कहानी और कविता की पहली श्रोता हैं। वे सच्ची सलाह देकर मेरी मदद करती हैं। बच्चे हर्ष और श्रेय मेरे जीवन को संपूर्णता प्रदान करते हैं। हर्ष भी सुधि लेखक हैं। अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों में रचना करता है। श्रेय बेहतरीन चित्रकार है। पुत्रवधु डॉ सोनाली हमारे परिवार में नई खुशियां लेकर आई है। मेरा हमेशा से मानना है कि धरती एक है और जीवन भी एक है। हम यहां दोबारा नहीं आएंगे, इसलिए जितना हो सके सकारात्मक और रचनात्मक कार्य करें। यही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

पौधारोपण कर मनाया भाजपा नेता राजा साहू का जन्मदिन

विधायक हेमंत खंडेलवाल ने पटेल एवं महावीर वार्ड में किया पौधारोपण

बैतूल। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज रविवार को बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा पटेल वार्ड

एवं महावीर वार्ड में पौधारोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही भाजपा प्रदेश ओ.बी.सी मोर्चा मीडिया मेंबर व बैतूल जिला काष्ट विनिमार्ता संगठन, सॉ मिल टिम्बर संगठन के अध्यक्ष राजा साहू के जन्मदिन के अवसर उन्हें शुभकामनाएं बधाई प्रेषित कर पौधारोपण कर जन्मदिन मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा युवा नेता संजू सोलंकी, पूरन साहू, पवन यादव, राजेश आहूजा, राजा साहू, अशीष पवार, सौरभ ठाकुर, अनिल पवार,पार्षद रघुनाथ लोखंडे, पार्षद वर्षा रमेश बारस्कर, श्यामराव बारस्कर, बलवीर मालवीय सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

माँ और पेड़ एक से होते हैं, बिन माँगे ही देते हैं : मोहन नागर

भारत भारती के स्थापना दिवस पर परिसर में एक पौधा माँ के नाम

बैतूल। रविवार 14 जुलाई को भारत भारती आवासीय विद्यालय के 66 वें स्थापना दिवस पर विद्यालय के आचार्यों, छात्रों व समिति सदस्यों ने भारत भारती जैविक कृषि प्रक्षेत्र में देश के यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत आम के 66 पौधे रोपे। विधार्थियों ने पौधारोपण के पूर्व लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए रैली निकाली व एक पेड़ माँ के नामष् की मानव श्रृंखला के द्वारा आकृति बनाई।

स्थापना दिवस पर विधार्थियों को सम्बोधित करते हुए से संस्था के सचिव व जल प्रहरी मोहन नागर ने कहा कि मौसम में आये बदलाव से सम्पूर्ण विश्व चिन्तित है। जनसंख्या के अनुरूप पेड़ों की संख्या कम होने से वैश्विक तापमान में निरन्तर वृद्धि हो रही है तथा ऋतुचक्र में भी बदलाव आ रहा है। जिसके कारण अनेक प्रकार की जैवविविधता नष्ट हो रही है।

उन्होंने कहा कि तापमान को सम रखने का काम वृक्ष करते हैं। इसके लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाना होंगे। श्री नागर ने कहा कि है कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नागरिकों से आह्वान किया है कि प्रत्येक नागरिक एक पौधा माँ के नाम अभियान में पौधारोपण करें व पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। श्री नागर ने विद्यार्थियों व आमजन से आग्रह किया कि वे परिवार में प्रत्येक पुण्य अवसर पर पौधारोपण करें व उसे पेड़ बनायें । उन्होंने कहा कि माँ और पेड़ एक से होते हैं, वे बिन माँगे ही देते हैं। श्री नागर ने भारत भारती के 66 वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भारत भारती शिक्षा संस्थान शिक्षा क्षेत्र के साथ जल व पर्यावरण के क्षेत्र भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसे ओर गति देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य जितेन्द्र परसाई ने किया।

एक पेड़ मां के नाम..

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर शासकीय एकलव्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में किया पौधरोपण

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिये चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर रविवार को शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि संचालक कौशल विकास हर्षिका सिंह के निर्देशानुसार आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज की भूतपूर्व सैनिक समिति द्वारा संस्था परिसर में 51 पौधों का रोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प दिलाया गया। दिनेश मस्की ने एक पेड़ मां

के नाम कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर उनकी देखभाल किए जाने के लिए जनमानस को प्रेरित किया। साथ ही पंढरी डांगे एवं दुर्गा कवडक़र ने सभी से पौधरोपण में बढ़-चढक़र भाग लेने का आव्हन किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था की प्रशिक्षण अधिकारी विनिता पाटिल ने किया। इस अवसर पर समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश मस्की, कोषाध्यक्ष नामदेव बारस्कर, भूतपूर्व सैनिक संघ के जिलाध्यक्ष पंढरी डांगे, पूर्व अध्यक्ष दिवाकर डांगे, समिति उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे सहित कुन्बी समाज की महिला प्रतिनिधि दुर्गा कवडक़र, सरिता बारस्कर, स्मिता कुबड़े, किरण पांसे, गायत्री पाटनकर, संस्था आईएमसी के अध्यक्ष पीयूष तिवारी, प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी दिलीप कुमार सोनी एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी, अध्यनरत प्रशिक्षणार्थी सहित अन्य भूतपूर्व सैनिक के सदस्यगण उपस्थित हुए।

मशरूम खाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल में भर्ती

बैतूल। ग्राम हिवरखेड़ी में जंगली मशरूम खाने से 5 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हिवरखेड़ी में एक परिवार ने मशरूम

की सब्जी बनाई। जैसे ही भोजन किया परिवार के लोगों की तबीयत बिगड़ गई और उल्टी होना शुरू हो गया। परिवार के सभी लोगों को उल्टी होते देख सभी लोग घबरा गए। मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। तत्काल सभी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भर्ती किया है।

जानकारी सामने आई है कि हिवरखेड़ी में घर जंगली मशरूम लाई थी और सभी लोगों ने शुक्रवार रात को मशरूम की सब्जी बनाकर खाई। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य बीमार हो गए। मशरूम खाने के बाद तबीयत बिगड़ने पर एक ही परिवार के 5 लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। सभी की हालत स्थिर बनी हुई है। संभावना जताई जा रही है कि जंगली जहरीली मशरूप खाने से सभी की हालत बिगड़ी हो। हालांकि जांच के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी।

पर्यावरण संरक्षण का जिम्मा अब युवाओं पर

गायत्री परिवार ने किया पौधारोपण

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार बैतूल श्री राम युवा मंडल इकाई द्वारा एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर में 25 पौधों का रोपण किया। जिसमें आम, जाम, आंवला आदि छायादार पौधों का रोपण छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। इस मौके पर गायत्री परिवार द्वारा शाला में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को सही मार्ग पर चलने और सत्कर्म की प्रेरणा देते हुए पर्यावरण के महत्व से अवगत कराया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ मधु वर्मा ने पौधों की महता के बारे में छात्रों को बताया कि ऑक्सीजन के बिना हम जीवित नहीं रह सकते। गायत्री शक्ति पीठ बैतूल के ट्रस्टी रोशनलाल पटैया ने कहा कि गायत्री मंत्र संमृद्धि का मंत्र है। सभी के कल्याण के लिए गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए और प्रत्येक बच्चे को एक पौधा पालने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का जिम्मा अब युवाओं पर है। इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ रोशन लाल पटैया, मुकेश वर्मा, हरेंद्र शर्मा, मनीष धोटे, अनिल साहू, आशीष पटैय्या कार्यक्रम में प्रमुख योगदान शिक्षिका कृष्णा हजारे, राम प्रकाश धुर्वे हरिश्चन्द्र देशमुख, पूनम चंद सिंगारे, रिखीराम मालवीय, किरण ढांढोडे, कंचन पंवार, विनोद कवडे, गौरव मानकर, पुष्पेन्द्र मर्सकोले उपस्थित थे। आभार प्राचार्य एचआर झरबड़े ने व्यक्त किया।

रिजर्व फॉरेस्ट में दो साल से हो रही गन्ने की खेती

वन अमला बेखबर, उड़नदस्ते की बीट जांच भी सवालों के घेरे में

बैतूल । पश्चिम वन मंडल की सांवलीगढ़ रेंज के रिज़र्व फॉरेस्ट में बीते 2 सालों से गन्ने की खेती हो रही है, इसके अलावा भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमणकारियों ने अतिक्रमण कर खेत बना लिए है लेकिन वन अमला बेखबर है। अतिक्रमण की सूचना पर डीएफओ ने टीम भेजी तो उन्हें भी मौके पर गन्ना बॉडी लगी होना पाया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सांवलीगढ़ रेंज की धौल सर्किल की चूना गोसाई बीट के कक्ष क्रमांक 1415 रिज़र्व फारेस्ट में बीते 2 सालों से किसान अतिक्रमण कर गन्ना बाड़ी लगा रहा है, लेकिन वन अमला इस सब से बेखबर है। पश्चिम वन मण्डल के डीएफओ वरुण यादव को मिली सूचना के बाद वन अमले को मौके पर भेजा गया था जिसने मौके पर गन्ना बाड़ी लगा होना पाया। इसके अलावा भी सांवलीगढ़ रेंज के कक्ष क्रमांक 1569 ओर 1570 में भी अतिक्रमणकारियों ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण कर खेती कर ली है ।

इस पूरे मामले में सांवलीगढ़ रेंज के रेंजर भीमा मंडलोई का कहना है कि गन्ना बाड़ी का अतिक्रमण मौके पर पाया गया है। फिलहाल पौधारोपण का समय चल रहा है, इसके बाद एक दो दिन में रिज़र्व फॉरेस्ट से अतिक्रमणकरियो को बेदखल करने की कार्यवाही शुरू की जाएगी ।

उड़नदस्ते की बीट जांच पर भी सवालिया निशान

पश्चिम वन मण्डल के अधिकारियों की माने तो सांवलीगढ़ रेंज की बीटों की जांच

के लिए समय-समय पर सीसीएफ का उड़नदस्ता भी भेजा जाता है जिससे यदि कोई कर्मचारी कुछ छुपाता है या बीट गस्त नही करता है तो यह उड़नदस्ता कार्यवाही करता है। लेकिन बीते दो सालों में उड़नदस्ते ने भी अतिक्रमण के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की है जिससे उनकी बीट जांच भी सवालों के घेरे में है ।

मंत्री श्री पटेल ने करेली में किया पौधारोपण

नरसिंहपुर। करेली में नेमा समाज द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोकसभा सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते व चौधरी दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायकद्वय श्री विश्वनाथ सिंह पटेल एवं श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल, द्वारा पौधे लगाये। इस अवसर पर अशोक, चीकू, अमरूद, आम आदि का पौधरोपण किया। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वृक्ष हैं तो जल है, और जल है तो जीवन है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा, बल्कि जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से ही हम अपनी भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ जल और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकेंगे।

देवी भागवत कथा का समापन

छिन्न मस्तिका माता मंदिर में हुआ आयोजन

बैतूल। प्रसिद्ध धार्मिक आस्था का केंद्र छिन्न मस्तिका माता मंदिर में पिछले सात दिनों से चल रही देवी भागवत कथा का आज समापन हुआ। इस दौरान दुर्गा सप्तसती का हवन भी किया गया। सदर के काशी तालाब पर स्थित छिन्न मस्तिका माता मंदिर में 6 जुलाई से देवी भागवत कथा शुरू हुई थी। प्रतिदिन कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे थे। आज दुर्गा सप्तसती हवन के साथ कथा का समापन हुआ। इस अवसर पर कन्या भोज का आयोजन किया गया और प्रसादी वितरण भी की गई। छिन्न मस्तिका माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नवनीत गर्ग के मार्गदर्शन में हुए इस धार्मिक आयोजन की व्यवस्था पंडित आनंद अग्रवाल के द्वारा की गई। कार्यक्रम में जितेंद्र साहू, मंगलेश साहू, दुष्यंत साहू, चंदू साहू, विजय मालवीय, अनिल पाखरे, पंकज धोटे सहित मंदिर से जुड़े भक्तों का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर श्रीमती साक्षी शर्मा एवं उनके सहयोगी भजन मंडली ने भजनों की प्रस्तुति दी।

ट्रस्ट के अध्यक्ष नवनीत गर्ग ने बताया कि छिन्न मस्तिका माता मंदिर के ओरिजनल स्वरूप की मूर्ति का देश का यह दूसरा मंदिर है। पहला मंदिर झारखंड के रजूरप्पा में है। उन्होंने बताया कि 10 अप्रैल 2017 को इस मंदिर में प्रतिमा की स्थापना की गई थी। यह देवी का जागृत मंदिर माना जाता है। यहां पर सच्चे मन से मांगी गई मन्नत पूरी होती है और मन्नत पूरी होने के बाद श्रद्धालु यहां पूजा अर्चना करने आते हैं। इस मंदिर में देश के कई स्थानों से लोग दर्शन के लिए आते हैं।

मझना फिल्म की शूटिंग पूरी, नजर आएंगी आदिवासी परंपराएं

बैतूल। महाकाल मोशन पिक्चर्स एवं करण कश्यप फिल्म्स द्वारा निर्मित गोंडी भाषा की फिल्म 'लमझना' की शूटिंग संपन्न हो गई है। यह शूटिंग 20 जून से जिले के चिचोली ब्लॉक के ग्राम हरदू में चल रही थी। अगले माह फिल्म का पहला लुक सामने आ सकता है। फिल्म की खास बात यह है कि इस फिल्म में सभी कलाकार मध्यप्रदेश के ही हैं। फिल्म का विषय आदिवासी परंपराओं पर आधारित है। जिसे बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। निर्देशक करण कश्यप ने बताया कि फिल्म का ख्याल जहन में वर्षों से था। जिसे अब साकार कर रहे हैं। आदिवासी समाज जमीन का, जंगल का सच्चा मालिक है। इनकी परंपराएं महिला प्रधान हैं।

समाज में महिलाओं के अधिकार सर्वाधिक सुरक्षित हैं। जिसे सामाजिक परंपरा के अनुरूप दिखाया गया है। फिल्म में तीन गाने भी हैं, जिन्हें मुंबई के प्रसिद्ध स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया है। इन गानों को लोक गायक व लोक कलाकार सतीश इवने ने गीतबद्ध किया है। संभवतरू गोंडी भाषा की यह पहली फिल्म होगी जिसे आल इंडिया रिलीज किया जाएगा। फिलहाल अभी पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है। आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर फिल्म का पहला लुक आ सकता है। फिल्म के एसोसिएट डायरेक्ट और लाइन प्रोड्यूसर अमित कसेरा ने बताया कि फिल्म में कलाकारों द्वारा भरपूर मेहनत की गई है। हरदू के ग्रामवासियों ने भी शूटिंग के दौरान भरपूर सहयोग किया है। फिल्म निर्मात्री मंजू गौतम ने सहयोग के लिए जिला प्रशासन को भी धन्यवाद प्रेषित किया है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौधा रोपण किया

धार। जिला जेल धार परिसर में रविवार को भू-मांई वेलफेयर फाउण्डेशन आओं सहेजे घरा समिति के तत्वाधान में एक पेड़ माँ के - नाम अभियान अन्तर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धार के सचिव न्यायाधीश उमेश कुमार सोनी की अध्यक्षता में 250 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक पुरूषोत्तम विश्नोई, रक्षित केन्द्र-धार (म.प्र.), सुमोन सुलिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी निधीश गुप्ता, स्थानीय पर्यावरणविद् / संरक्षक दादा पिराग सिंह डावर, जेल अधीक्षक आर.आर.डांगी एवं सहायक जेल अधीक्षक कमल पलासिया एवं जेल-स्टॉफ की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण के प्रति आम जन मानस को प्रकृति को सहेजने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ निधीश गुप्ता द्वारा जेल में परिरूद्ध चर्म रोग से पीडित बंदियों को जेल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बंदियों चिकित्सीय सेवाऐं प्रदान की गई।

नगर पालिका द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत प्रकाश नगर गार्डन धार में पौधारोपण किया गया

धार। नगर पालिका परिषद् धार द्वारा 'एक पेड मां के नाम' अभियान अंतर्गत रविवार को प्रातः 9 बजे प्रकाश नगर गार्डन धार पर पौधारोपण किया गया। प्रकाश नगर गार्डन में आम,जामुन, कटहल, कुरज,गुड़हल,चांदनी, इमली रातरानी,बादाम के पौधे का पौधारोपण किया गया।

जानकारी देते हुए कार्यालय अधीक्षक नगर पालिका परिषद धार संजय ठाकुर ने बताया कि इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नेहा महेश बोडाने, पार्षद पूजा जितेन्द्र अग्रवाल, सुमित्रा चंदु वसुनिया, पार्षद प्रतिनिधि अजय राठौर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर, उपयंत्री रेणु वर्मा, प्रकाश नगर कॉलोनी के रहवासीगण , नपा के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

वायुदूत एप की जानकारी

नरसिंहपुर। प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के लिए एक पेड़ अवश्य लगायें। अभियान के तहत जिले में नागरिक एक पौधरोपण कर अपनी सहभागिता निभायें। सहभागिता हेतु प्रतिभागी रोपे गये पौधों को वायुदूत एप में अपलोड करें।

वायुदूत एप एवं पंजीयन की प्रक्रिया में गूगल प्ले स्टोर से वायुदूत- अंकुर एप को डाउनलोड करें। एप डाउनलोड करने के पश्चात इच्छित भाषा हिंदी/ अंग्रेजी का चयन करें। नागरिक लॉगिन पर क्लिक करें, मोबाइल नंबर दर्ज कर लॉगिन करें, पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर वेरीफाई कर तथा पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करें।

वेरिफिकेशन उपरांत नया वृक्षारोपण- न्यू प्लेटफार्म पर क्लिक करें। उपलब्ध सूची में से पौधों की प्रजाति का चयन करें। इसके बाद रोपित प्रजाति उपलब्ध न होने पर अदर पर क्लिक करें तथा रोपित की जाने वाली प्रजाति का नाम अंकित करें।

रोपित पौधों की संख्या लिखें और रोपित पौधे का फोटोग्राफ एप के माध्यम से अपलोड करें। पौधरोपण स्थल की जानकारी देने के लिए plantation site informatoin में लिखें। रोपित पौधे की फोटोग्राफ पुनः देखने एवं 30 दिनों पश्चात दूसरा फोटोग्राफ अपलोड करने के लिए वृक्षारोपण प्रगति (second Photo Capture) पर क्लिक करें। एप के माध्यम से द्वितीय फोटोग्राफ अपलोड करने के उपरांत एप से सहभागिता प्रमाण पत्र डाउनलोड करें। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के बारे में अधिक जानकारी के लिए एक पेड़ माँ के नाम (Plantymother) पर क्लिक करें। प्रतिभागियों को वायुदूत- अंकुर एप के माध्यम से ही पौधे रोपण के फोटोग्राफ खीचकर अपलोड करना होगा।

मोबाईल नेटवर्क न होने की स्थिति में भी ऑफलाईन मोड में एप के माध्यम से फोटोग्राफ अपलोड किया जा सकेंगे। मोबाईल में नेटवर्क आने पर फोटोग्राफ स्वतः एप पर अपलोड हो जावेंगे। ऑफलाईन अवस्था में एप पर फोटो अपलोड करने के लिए पूर्व से एप पर लॉगिन रहना आवश्यक होगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए बहुत रास्ते खोलेंगे : विधायक नीना वर्मा

पीजी कालेज, धार बना प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, हुआ शुभारंभ

धार। इस बदलते हुए युग में यहां स्थापित भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ में हमारी संस्कृति से रूबरू होंगे। साथ ही यहां कंप्यूटर सिस्टम की भी व्यवस्था की गई है। ताकि विद्यार्थी किताबों के साथ साथ कंप्यूटर के माध्यम से भी संस्कृति से रूबरू हो सकें। उक्त बात धार विधायक नीना वर्मा ने आज जिला मुख्यालय पर स्थापित 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' के शुभारंभ के अवसर पर कॉलेज के 'विक्रम सभागृह' में उपस्थित विद्यार्थियों और आमजनों को संबोधित करते हुए कही।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में इंदौर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में रिमोट के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ किया।

विधायक नीना वर्मा ने यहां जिला मुख्यालय पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के अनुरूप महाविद्यालयों में 'भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ' की स्थापना की जा रही है। इसमें समस्त विषयों की भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित पुस्तकें, वेद, पुराण, उपनिषद आदि शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आमजन के लिए उपलब्ध कराए जा रहे है। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित वीडियो आदि के प्रर्दशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही यहां के पुस्तकालय से किसी को खरीदना हो तो उसे पुस्तक 40 प्रतिशत छूट पर मिलेगी। इसी के साथ आज खुशी का दिन है। आज हमारे विद्यार्थियों के बहुत सारे सपने पूरे होने जा रहे है। उन्होंने कहा की पूरे मध्यप्रदेश में 55 जिलों में कॉलेज की संख्या ली गई है। यह कॉलेज पूरे जिले का सबसे बड़ा कॉलेज है। साथ ही आने वाले समय में यह और भव्य होगा। यहां के पुस्तकालय में विभिन्न तरह की आध्यात्मिक और पुरानी पुस्तकें है जिसे यहां के विद्यार्थी निःशुल्क पढ़ सकेंगे। इसका लाभ विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थियों को लेना चाहिए। इसमें अभी युग कहां है इसका भी नॉलेज होगा। इसमें कई तरह की फैकल्टी भी शामिल की गई हैं। जिसमें युवा आने वाले समय में अपने आप को मजबूत करेगा। पढ़ाई के मामले में भारत के बच्चों के लिए सारी दुनिया में रास्ते खुले है। बस जरूरत है लाभ लेने की। इसलिए सभी विद्यार्थी इसका लाभ लेवें और आगे बढ़ते रहिए।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा की शासन का पिछले 20-25 वर्षों में माध्यमिक और सर्व शिक्षा पर विशेष ध्यान रहा हैं। साथ ही हर गांवों में स्कूल खुले। आज हम विकासशील से विकसित की और बढ़ रहे है। उसी दिशा में शिक्षा की गुणवत्ता अति महत्वपूर्ण है। जिसे देखते हुए 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ किया गया है। युवा आज से आगामी सालो में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता से रूबरू होगा। साथ ही आज का युवा हमारे देश के साथ ही विदेशों में भी अपना नाम रोशन कर रहा है। सभी विद्यार्थी इस कॉलेज की सुविधाओं का लाभ लेवें।

कार्यक्रम को जनभागीदारी समिति अध्यक्ष दीपक बिड़कर और मनोज सोमानी ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा कॉलेज के गेट पर फीता काट इसका शुभारंभ किया गया। साथ ही कॉलेज में स्थापित भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, हिंदी ग्रंथ एकादमी काउंटर और विद्यावन का लोकार्पण कर अवलोकन किया। साथ ही विद्यावन में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण कॉलेज के प्राचार्य एसएस बघेल द्वारा दिया गया। इंदौर जिले में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और सुना गया। अंत में अतिथियों द्वारा कॉलेज में प्रारंभ की गई 'बस सुविधा' को हरी झंडी दिखाई। साथ ही विधिवत पूजन अर्चन कर शुभारंभ किया ।

सेवानिवृत्त शिक्षक गोविंद प्रसाद सोनी का बीमारी के चलते निधन

नरसिंहपुर। डोभी ग्राम के प्रतिष्ठित सोनी परिवार के गोविंद प्रसाद सोनी सेवानिवृत्त शिक्षक का विगत दिवस लंबी बीमारी के चलते दुखद निधन हो गया है। आप सेवानिवृत शिक्षिका श्रीमती आशा सोनी के पति, आदित्य सोनी भोलू एवं अमित सोनी गोलू के पूज्य पिताजी और पत्रकार किशन सोनी शिक्षक सुदामा प्रसाद सोनी ,मुरारी सोनी, के अग्रज भ्राता थे। जिनकी अन्तेष्ठी दोपहर बाद ग्राम के मुक्ति धाम में संपन्न की गई।जिसमे बड़ी संख्या में ग्राम जन,रिश्तेदारों ने सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यालय की समृद्ध तहसील इटारसी में भगवान जगन्नाथ रथारुढ़ हो भ्रमण पर निकले ...

नर्मदापुरम।

मुख्यालय की समृद्ध तहसील इटारसी में आज भगवान जगन्नाथ रथयात्रा को वहां की धर्मप्राण जनता ने हाथों हाथ लिया, भगवान जगन्नाथ आज यहां अपने बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण कर निकले थे, भगवान की रथयात्रा को देखने इटारसी की धर्म प्राण जनता इस समय सड़क पर उमड़ पड़ी धर्मप्राण नागरिकों ने इस दौरान भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का जगह-जगह अभूतपूर्व आत्मीय स्वागत किया। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर इटारसी के सुख और वैभव की कामना की.. भगवान द्वारकाधीश मंदिर से शाम 4 बजे भगवान की आरती से आरंभ हुई जिसका समापन शाम 7 बजे गौर आरती से जयस्तंभ चौक पर हुआ। समय की व्यस्तता के कारण इटारसी क्षेत्र में लोकप्रिय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाए आयोजन परिवार को इसका दुःख है। इस्कॉन मंदिर परिवार नर्मदापुरम द्वारा पहली बार भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ का स्वागत जिस उत्साह से इटारसी की धर्म प्राण जनता ने किया उसके प्रति इस्कॉन मंदिर परिवार के मुखिया श्रीमान प्रणव दास प्रभु ने आभार जताया है। इसके साथ ही रथयात्रा महोत्सव को सफल बनाने में प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगरपालिका प्रशासन और विधुत वितरण कंपनी के सभी सहयोगियों का हृदय से आभार जताया है।

नरसिंहपुर में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने तक अडिग रहें: पटेल

नरसिंहपुर। प्रदेश के समस्त 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में इंदौर में किया गया। इसी कड़ी में जिले के स्वामी विवेकानंद शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की श्रेणी में अपग्रेड कर चयनित किया गया है। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता और तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल की उपस्थिति में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, विवेकानंद उद्यान में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पौधरोपण, विद्यार्थी सहायता केन्द्र, विद्या वन में पौधरोपण, अवलोकन एवं विद्यार्थी बस सेवा का उदघाटन किया गया।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि उन्होंने एक्सीलेंस शब्द पहली बार तब सुना जब जबलपुर साइंस कॉलेज को एक्सीलेंस कॉलेज का दर्जा मिला था। आजादी के बाद उच्च शिक्षा में सुधार व परिवर्तन करने के लिए अनेक समितियों का गठन किया गया था। इन समितियों ने अपनी- अपनी रिपोर्ट में अलग- अलग सुझाव प्रस्तुत किये थे। कुछ लोगों का मानना था कि पुरानी शिक्षा प्रणाली में व्यक्तित्व विकास के लिए व्यवस्था नहीं है। कुछ ने माना कि शारीरिक क्षमता व चारित्रिक विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिये। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को संस्कार व शिक्षा देकर उनके भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा नई शिक्षा नीति लागू की गई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वर्तमान में नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को यह समझने की आवश्यकता है कि परीक्षा का तात्पर्य केवल पास होना ही नहीं, बल्कि अपने हुनर एवं क्षमता को बेहतर कर उसमें पारंगत होना है। हमारे व्यक्तित्व में बहुत सारी बातें हमारे विवेक पर निर्भर करती हैं। वर्तमान नीति के अनुसार अब विद्यार्थियों को हर प्रकार की शिक्षा मिलेगी। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ- साथ खेल के माध्यम से भी अपना मुकाम हासिल कर सकते हैं। ज्ञान परंपरा में अर्थ का कोई स्थान नहीं, बल्कि क्षमता व योग्यता का स्थान है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की चर्चा करते हुए बताया कि स्नातक के तौर पर उन्होंने बीएससी की। उनके मित्र ने पीएससी की तैयार कर प्रशासनिक सेवा में जाने का निर्णय लिया। छात्र जीवन वह समय रहता है, जब हम अपना लक्ष्य निर्धारित करते हैं।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर में 25 पौधों का किया रोपण

बैतूल (निप्र)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर में शनिवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य एचआर झरबड़े ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अखिल विश्व गायत्री परिवार बैतूल, श्रीराम युवा मंडल इकाई द्वारा स्कूल परिसर में आम, जाम, आंवला एवं छायादार 25 पौधों का रोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ श्री मधु वर्मा ने पौधों की महत्ता के बारे में छात्रों को बताया कि ऑक्सीजन के बिना हम जीवित नहीं रह सकते। गायत्री शक्ति पीठ बैतूल के ट्रस्टी श्री रोशनलाल पटैया ने कहा कि गायत्री मंत्र सद्बुद्धि का मंत्र है। सभी के कल्याण के लिए गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए एवं प्रत्येक व्यक्ति को पौधा रोपित कर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिये।

इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ रोशन लाल पटैया, मधु वर्मा, मुकेश वर्मा, हरेंद्र शर्मा, मनीष धोटे, अनिल साहू, आशीष पटैय्या, शिक्षिका कृष्णा हजारे, राम प्रकाश धुर्वे, हरिश्चन्द्र देशमुख, पूनम चंद सिंगारे, रिखीराम मालवीय, किरण ढांढोडे, कंचन पंवार, विनोद कवडे, गौरव मानकर, पुष्पेन्द्र मर्सकोले सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विकासखंड साईखेड़ा की 58 ग्राम पंचायत में हुआ 580 पौधों का रोपण

नरसिंहपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिला, विकासखंड, ग्राम स्तर पर व्यापक पैमाने में पौधरोपण किया गया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड साईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली 58 ग्राम पंचायतों द्वारा 580 पौधों को लगाया गया। साईखेड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत चिरहकला, चामचौन, बगदरा, धोखेड़ा, पलोहा बड़ा, टिमरावन में माध्यमिक शाला परिसर में, रिछावर, मेहरागांव, सिरसिरी, झिकोली, तूमड़ा, निमावर, पिपरपानी, झिरिया माता, अजंदा, खैरीपाली, खमरिया, देवरी, दहलवाडा, झांझनखेड़ा, बनखेड़ी, आमगांव छोटा, निवारी पिपरिया कला, बम्होरी कला में पंचायत भवन परिसर में, खकरिया, गरधा, ढिगसरा, मुआर, बेलखेड़ी, मडगुला में शाला परिसर में, भटेरा, बिचुआ में हाई स्कूल परिसर में, नरवारा, कामती में तालाब परिसर में व अमृत सरोवर में, पिटरास में आश्रम महुआखेड़ा में, रमपुरा की गौ शाला में, खुर्सीपार, जमाड़ा, बांसखेड़ा, पिपरिया खुर्द, टेकापार, देतपौन, बनवारी, पिठवानी, सुपारी, डुंगरिया, आड़ेगांव, नादनेर, बरेली, शौकलपुर, बोदरी, कजरोटा, बरहटा के शांतिधाम परिसर में वृहद पौधारोपण किया गया। सीईओ जनपद सांईखेड़ा ने अधिक से अधिक पौधारोपण कार्य की फोटो वायुदूत (अंकुर) एप के माध्यम से अपलोड किये जाने एवं पौधों की सुरक्षा के इंतजाम हेतु निर्देश दिए। उक्त पौधा रोपण कार्यक्रम में सरपंच, अधिकारी- कर्मचारी, सचिव, रोजगार सहायक, शिक्षक, सहायक यंत्री, जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणजनों ने अपनी सहभागिता दी।अभियान के तहत सीएम राइज विद्यालय सांईखेड़ा में शिक्षक श्री भानू प्रताप राजपूत की मां द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। गाडरवारा निवासी श्रीमती पुष्पलता तिवारी ने मायके में पौधारोपण के लिए तुलसी का पौधा भेंट किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जनअभियान परिषद द्वारा किया गया पौधरोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में और जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद के मार्गदर्शन में जनअभियान परिषद की विभिन्न संस्था द्वारा ग्राम पंचायतों में पौधरोपण किया गया। इस दौरान पौधों का संरक्षण करने की शपथ भी दिलाई गई।

चीचली सेक्टर में हुआ पौधरोपण अभियान के तहत जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था चीचली द्वारा तेंदूखेड़ा में जनशक्ति सेवा समीति एवं बसुरिया सेक्टर मे हरदौल जनसेवा समिति के तत्वाधान में रेशम केंद्र के पास वृहद रूप से पौधरोपण किया गया। इन पौधों में नीम, आम, बादाम, शीशम, अमरूद के पौधें शामिल हैं। पर्यावरण संरक्षण को लेकर शपथ भी दिलाई गई।

विद्यार्थी अपना जीवन का लक्ष्य तय करें : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

प्रतिभावान छात्र- छात्रा सम्मान समारोह में पहुंचकर विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

नरसिंहपुर। निश्चत तौर पर प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। छात्र- छात्राओं को चाहिए वे अभी से अपना लक्ष्य तय करें और इसके लिए कड़ी मेहनत करें। जिससे वे समय पर अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकें। उक्त बात प्रदेश सरकार के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर की सरस होटल में आयोजित प्रतिभावान छात्र- छात्रा सम्मान समारोह में कही। यह समारोह जिला जाट महिला महासभा द्वारा आयोजित किया गया।समारोह में मंत्री श्री सिंह ने अपने छात्र जीवन और राजनैतिक जीवन के बारे में बताया और कहा कि आज जो हमें ऊंचाईयां मिली उसमें समाज काबहुतबड़ायोगदान है। मंत्री श्री सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने भविष्य में क्या बनेंगे और उनका क्या टारगेट को कैसे हासिल करेंगे। बच्चों को सपने जरूर देखना चाहिये और उन सपनों को जरूर पूरा करना चाहिये। उन्होंने उदाहरण के तौर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के बारे में, उनके द्वारा किये गये कार्यों को विस्तार से बताया और बच्चों का हौसला अफजाई किया। मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहें, जिससे बच्चों में हौसला बढ़ता रहेगा। ऐसे आयोजनों से एक दूसरे को समझने का अवसर मिलता है।इस मौके पर राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया ने प्रतिभावान छात्र- छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश और केन्द्र सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित कर रही है, जिससे बच्चों को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जिला जाट समाज के अध्यक्ष श्री अश्विनी धौरेलिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मॉ सरस्वती एवं भगवान श्री नरसिंह की पूजा अर्चना की गई।

इनको किया सम्मानित

इस सम्मान समारोह में मंत्री श्री सिंह एवं राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया ने कक्षा दसवीं के छात्र- छात्राओं में आकांक्षा बम्हरोलिया, अक्षत सिंह, भूमि जाट, तनवी किलेदार, अर्पिता जाट, प्राची जाट, अवनि ठाकुर, अश्विन जाट, अच्युत ठाकुर एवं कक्षा 12वीं के छात्र- छात्राओं में शुभी किलेदार, अंशिता जाट, राजवीर जाट, हिमांशु किलेदार, आयुषी जाट, अनीषा जाट, तनु जाट, पार्थ बम्हरोलिया, अंकित किलेदार, अदिति सरोहा, अंश जाट व समीक्षा जाट को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

एसएलपी में चार हजार छात्रों पर दो बस, विधानसभाध्यक्ष तोमर बोले-शिक्षा आवश्यक है, पर गुणवत्ता के साथ

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के सभी पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ रविवार हुआ है। प्रदेश में 55 कॉलेजों का शुभारंभ हुआ है, इनमें ग्वालियर में एसएलपी (श्याम लाल पांडवीय) कॉलेज को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बनाया गया है। इसके साथ ही इन कॉलेजों में शिक्षकों का डिप्लॉयमेंट भी शुरू कर दिया गया है। शुरुआती तौर पर 127 शिक्षकों का डिप्लॉयमेंट किया गया है।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंज का शुभारंभ मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने फीता काटकर किया है। इस मौके पर सांसद भारत सिंह कुशवाह, आईजी अरविंद सक्सेना, एसएलपी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरकेएस सेंगर भी उपस्थित रहे। इस मौके पर कॉलेज के लिए बस सेवा का भी विधानसभाध्यक्ष तोमर ने फीता काटकर शुभारंभ किया है। कॉलेज में चार हजार छात्र हैं जिन पर दो बसों को अटैच किया गया है।

विधानसभाध्यक्ष बोले-शिक्षा आवश्यक है, लेकिन गुणवत्ता के साथ- पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि जब पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में एसएलपी कॉलेज का चयन हुआ तो मुझे सबसे ज्यादा खुशी हुई। क्योंकि यह कॉलेज मेरा भी प्रिय कॉलेज रहा है। भाइयों शिक्षा मौलिक अधिकार है। शिक्षा आवश्यक भी है, लेकिन गुणवत्ता के साथ। शिक्षा हमें बहुत कुछ सीख देती है। यहां छात्रों के लिए बसों का भी संचालक किया जा रहा है। इस पर मैं सभी छात्रों को बधाई देता हूं। कॉलेज में पढ़ाई का स्तर और भी अधिक सुधरेगा।

चार हजार छात्र, दो बस होंगी संचालित- एसएलपी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरकेएस सेंगर ने बताया कि कॉलेज में चार हजार के लगभग छात्र हैं। जिनको लाने के लिए पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में दो बसों को अटैच किया गया है। यह बसें फिलहाल एक-एक महीने के अनुबंध पर लगाई गई हैं। इसके बाद इनका कार्यकाल आगे बढ़ा दिया जाएगा। इन बसों में सफर करने के लिए छात्रों को 25 रुपए महीना किराया देना पड़ेगा।

दो बस कवर करेंगी पूरा शहर- एसएलपी कॉलेज के प्राचार्य सेंगर ने बताया कि पहली बस डीडी नगर से चलेगी जो गोला का मंदिर, रेसकोर्स रोड, स्टेशन रोड, सिटी सेंटर, थाटीपुर, मुरार, सात नंबर चौराहा होते हुए एसएलपीकॉलेज पहुंचेगी। इसी तरह दूसरी बस लश्कर से चलकर एसएल पीकॉलेज के लिए पहुंचेगी। जिससे पूरा शहर कवर हो जाएगा। देहात व गांव से कॉलेज आने वाले छात्रों के लिए अभी कोई पॉइंट फिक्स नहीं हैं। उनको शहर में आकर अपने निकटतम पॉइंट से बस में सवार होना हागा।

कॉलेज में बनाया जा रहा है विद्या वन- कॉलेज में जिन शिक्षकों को भेजा जा रहा है उनका चयन मापदंड अलग रखा गया है ताकि अच्छे रिसर्च एक्सपीरियंस वाले शिक्षक आएं। वहीं कॉलेज में विद्या वन विकसित किया जाएगा। इनमें नीम, पीपल, करंज, मौलश्री, गूलर, इमली, महुआ तथा फलदार पौधों की देशी प्रजातियां लगाई जाएंगी।

यह सुविधाएं बढ़ेंगी एसएलपी कॉलेज में- यहां पर आर्ट्स, साइंस के कोर्सों को एक साथ पढ़ाने की सुविधा होगी। इसके साथ ही एजुकेशन में बीएड, एग्रीकल्चर में बीएससी एजी के कोर्स भी रहेंगे। यह सुविधा अन्य कॉलेजों में नहीं है।

शिप्रा नदी में आई बाढ़, मंदिरों में घुसा पानी

शाजापुर, सागर समेत कई जिलों में बारिश; इंदौर, छिंदवाड़ा समेत 20 जिलों में अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में रविवार को शिप्रा नदी में अचानक जल स्तर बढ़ गया। देखते ही देखते घाट के किनारे पर छोटे मंदिरों में पानी घुस गया। मंदिर भी डूब में आने लगे। घाट पर मौजूद होमगार्ड और एसडीईआरएफ के जवानों ने वहां से लोगों को हटाया।

भोपाल में बड़े तालाब को भरने वाली कोलांस नदी का पानी एक फीट बढ़ा- रविवार को शाजापुर, सागर समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। इधर, भोपाल में बड़े तालाब को भरने वाली कोलांस नदी का पानी एक फीट बढ़ गया। आईएमडी भोपाल ने आईएमडी भोपाल ने आज मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से इंदौर, छिंदवाड़ा समेत 20 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। पूरे प्रदेश में बिजली गिरने और चमकने के भी आसार हैं। मध्यप्रदेश में अब तक एवरेज 25 प्रतिशत (9.3 इंच) बारिश हो चुकी है। यह औसत बारिश से 5 प्रतिशत कम है। यानी अब तक 9.8 इंच पानी गिर जाना चाहिए था।

उज्जैन, रतलाम समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट- मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटे में कई जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इनमें उज्जैन, रतलाम के धोलावाड़, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, देवास, इंदौर, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा के ओंकारेश्वर, हरदा, रायसेन, बालाघाट जिले शामिल हैं। नीमच, धार के मांडू, बड़वानी के बावनगजा, शिवपुरी, ग्वालियर, मंडला, सागर, दमोह, कटनी, अनूपपुर के अमरकंटक, शहडोल, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, सीहोर, विदिशा के उदयगिरि, शाजापुर, झाबुआ, अशोकनगर, सांची, भीमबेटका, भोपाल, उमरिया, जबलपुर, नरसिंहपुर, डिंडोरी, मुरैना, श्योपुर, गुना, पन्ना में भी मौसम बदला रहेगा।

मक्सी में आधे घंटे में डेढ़ इंच बरसा पानी- मक्सी में रविवार को मानसून सीजन की पहली मूसलाधार बारिश हुई। आधे घंटे हुई बारिश के दौरान 37 मिलीमीटर यानी डेढ़ इंच पानी बरस गया। शाजापुर जिले में 25 जून को मानसून के प्रवेश करने के बाद पिछले 20 दिनों में सिर्फ 27 जून को एक इंच बारिश हुई थी। उसके बाद से लोग झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे थे।

सागर में सुबह बादल छाए, दोपहर में बारिश

सागर में रविवार सुबह से बादल छाए रहे। दोपहर के समय मौसम बदला और बारिश होने लगी। इससे लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली है। सागर शहर समेत ग्रामीण इलाके गौरझामर, देवरी, केसली समेत अन्य क्षेत्रों में बारिश हुई। सागर जिले में बारिश के इस सीजन में अब तक 237 मिमी औसत बारिश हो चुकी है।

रतलाम में 5 दिन बाद तेज बारिश

रतलाम में पिछले 5 से 6 दिन से हो रही उमस और गर्मी से लोगों को राहत मिली। रविवार दोपहर को काले बादल छाए और तेज बारिश होने लगी। सड़कों पर पानी जमा हो गया। तापमान में भी गिरावट आई।

पार्किंग में खड़ी तीन कारें बहीं, लोगों ने निकाला

शिप्रा में पानी बढ़ने से पार्किंग में खड़ी तीन कार बह गई शिप्रा नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से छोटी पुलिया के पास बनी पार्किंग से यात्रियों की कार बह गई। वहां मौजूद लोगों ने कार को निकाला। स्थानीय लोगों ने बताया कि छोटी पुलिया पर करीब दो से ढाई फीट ऊपर होकर पानी बहने लगा था।

शिप्रा नदी में अचानक आई बाढ़

रविवार को शिप्रा नदी में दोपहर करीब 12:30 बजे अचानक जल स्तर तेजी से बढ़ने लगा देखते ही देखते घाट किनारे के छोटे मंदिरों में पानी घुस गया। मंदिर भी डूब में आने लगे। घाट पर मौजूद होमगार्ड और एसटीडीआरएफ के जवानों ने नदी के घाट पर स्नान करने वाले लोगों को तत्काल बाहर जाने के निर्देश अनाउंसमेंट कर दिए।

दो ट्रकों की भिड़ंत, जिंदा जला ड्राइवर

जबलपुर में प्रत्यक्षदर्शी बोले- तेज धमाका हुआ और आग लग गई; एक ड्राइवर गंभीर घायल

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में दो ट्रक आपस में भिड़ गए। तेज धमाके के साथ ट्रकों में आग लग गई। एक ट्रक का ड्राइवर जिंदा जल गया। दूसरे ट्रक के ड्राइवर को वहां मौजूद लोगों ने बाहर निकाल लिया। उसे गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

हादसा शनिवार देर रात बरेला में जबलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर हुआ। एएसपी प्रदीप शेंडे ने बताया, प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ में पता चला है कि दोनों ही ट्रक तेज रफ्तार में थे, जिसके चलते यह हादसा हुआ है। मृतक ट्रक ड्राइवर और घायल की पहचान अभी नहीं हो पाई है। ट्रक में कितने लोग बैठे थे, इसकी जानकारी भी जुटाई जा रही है।

एक ट्रक के ड्राइवर को बचाया, दूसरे को नहीं बचा सके- शनिवार देर रात एक ट्रक जबलपुर से गेहूं लेकर मंडला की तरफ जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रक लोहे के पट्टे लेकर रायपुर से जबलपुर की ओर आ रहा था। बरेला पहुंचते ही दोनों ट्रकों की आमने-सामने

भिड़ंत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने ट्रक में फंसे एक ड्राइवर को बाहर निकाला। फायर ब्रिगेड, पुलिस और डायल-100 को सूचना दी। आग भीषण होने के कारण दूसरे ड्राइवर को नहीं बचा सके।

स्टेयरिंग में फंस गया था ड्राइवर, बाहर नहीं आ सका- ट्रक दुर्घटना में जिंदा जले ड्राइवर की पहचान विकास कुमार (24) के रूप में हुई है। वह आजमगढ़ (उत्तरप्रदेश) का रहने वाला था। विकास के साथी अजीत कुमार ने बताया, घटना के समय तीन ट्रक एक साथ आगे-पीछे चल रहे थे। एक ट्रक को मैं, दूसरे को विकास और तीसरे को राज चला रहा था। सबसे आगे विकास का ट्रक चल रहा था। हम रायपुर से लोहा लोड कर हरियाणा जा रहे थे।

अजीत के मुताबिक, रात 12.30 बजे यह हादसा हुआ। विकास ने ट्रक से बाहर निकलने की कोशिश की,लेकिन वह स्टेयरिंग में बुरी तरह से फंस गया था कि बाहर नहीं आ सका। ट्रक में ही जिंदा जल गया। उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

4 बच्चों समेत कुएं में कूदी महिला, बच्चों की मौत

मंदसौर में पति से झगड़े के बाद लगाई छलांग

गरोठ (नप्र)। मंदसौर में रविवार सुबह करीब 6 बजे एक महिला 4 बच्चों को लेकर कुएं में कूद गई। बच्चों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने महिला को बचा लिया है। घटना गरोठ के पीपलखेड़ा गांव की है। महिला का पति से झगड़ा हुआ था। गरोठ एएसपी हेमलता कुरील ने बताया कि सुगना बाई (40) को उसका पति रोडू सिंग बंजारा प्रताड़ित करता था। शनिवार रात को भी सुगना से मारपीट की थी।

रातभर आंगनबाड़ी केंद्र में रही, सुबह कुएं में छलांग लगा दी- पति से बचकर महिला रात में चारों बच्चों को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र चली गई। रातभर यहीं रही। सुबह बच्चों के साथ खेत पर पहुंची और कुएं में छलांग लगा दी। बंटी (9), अनुष्का (7), मुस्कान (4) और कार्तिक (2) की डूबने से मौत हो गई।

महिला सुगना बाई ने बताया, पति आए दिन मारपीट करता है। रात में शराब पीकर पीटा। मुझे और बच्चों को बारिश में घर से बाहर निकाल दिया। मैं गिड़गिड़ाती रही। इसके बाद मैंने मरने की ठान ली। ग्रामीण कुएं में उतरे और महिला को बचा लिया, लेकिन तब तक बच्चे डूब चुके थे।

महिला का भाई बोला- चार दिन पहले पुलिस ने जीजा को समझाया था- महिला के भाई नागजीराम बंजारा ने बताया, जीजा रोडू बंजारा शराब पीकर बहन से मारपीट करता है। दो-तीन बार गरोठ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। 4 दिन पहले ही जीजा ने बच्चों के साथ मारपीट की थी, जिसके बाद डायल 100 को बुलाया था। पुलिस ने समझाइश दी थी। इसके बाद जीजा घर से कहीं चला गया था। शनिवार रात को लौटा और फिर बहन से मारपीट की। बहन ने फोन कर बताया कि जीजा उसे और बच्चों को घर में घुसने नहीं दे रहा है। हम लोग मरने जा रहे हैं।

सास का आरोप- बेटे से झगड़ा करती थी बहू

महिला की सास ने आरोप लगाया कि बहू सुगना बाई आए दिन बेटे से झगड़ा करती थी। 15 साल पहले बेटे से शादी हुई थी। बहू से झगड़े के कारण वह घर से बाहर सोता था। दोनों की आपस में कभी नहीं बनती। बच्चों के साथ भी बहू मारपीट करती थी।

शराब की वजह से होते थे पति-पत्नी के बीच झगड़े

स्थानीय लोगों ने बताया कि रोड सिंह की पीपलखेड़ा गांव में 8 बीघा जमीन है। जिसमें खेती-बाड़ी कर सुगना और रोड सिंह अपना जीवन यापन कर रहे थे। लेकिन शराब की वजह से आए दिन पति-पत्नी में झगड़े होते रहते थे। खेती-बाड़ी का काम सुगना की सास और सुगना संभालती थी। कभी-कभी रोड सिंह कंबल बेचने का काम करने के लिए चला जाता था और लंबे समय बाद घर आता था।

पुलिस ने कहा- महिला और उसके पति पर कार्रवाई होगी

गरोठ थाना प्रभारी प्रभात घोड ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में सुगना बाई और उसके पति रोड सिंह के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चार दिन पहले पुलिस को इनके विवाद की सूचना मिली थी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

ऊर्जा मंत्री छात्रों से बोले- एक लक्ष्य तय कर उसका नक्शा दिमाग में बना लो, फिर आगे बढ़ो

गुना (नप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन रविवार को किया गया। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। साथ ही शुरू हो रही कॉलेज की बस को भी हरी झंडी दिखाई। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, गुना विधायक पन्नालाल शाक्य, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, कलेक्टर सतेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा भी मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर दोपहर ढाई बजे गुना पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले फीता काटकर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रथम तल पर बने विद्या भारती और ग्राउंड फ्लोर पर बने हिंदी ग्रंथ अकादमी फीता काटकर उद्घाटन किया। इसमें 40 प्रतिशत डिस्काउंट पर छात्रों को किताबें मिलेंगी। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य से कहा कि गुना विधायक, नगरपालिका अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ बैठकर कॉलेज को आगे

बढ़ाने के लिए योजना बनाएं। पूरी सरकार आपके साथ खड़ी है। इस कॉलेज को प्रदेश का सबसे अच्छा कॉलेज बनाने का प्रयास करना है। इसके लिए हम लोग तन, मन, धन से सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम में पहुंचते ही ऊर्जा मंत्री ने गुरुजनों का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों से मैं कहना चाहता हूं कि मैं भी साधारण परिवार से हूं। लेकिन, मैंने शुरू में ही तय कर लिया था कि मुझे एमएलए बनना है। दिल और दिमाग में नक्शा खींच लिया था कि विधायक बनना है। इसे ध्येय बनाकर ही मैंने काम करना शुरू किया। उस रास्ते पर चला। कई बार गिरा और फिर उठा। पर एक दिन मेरी इच्छाशक्ति ने मुझे एमएलए बना दिया। इसलिए आने वाली पीढ़ी से यही आशा है कि जो कुछ भी बनना है, वह तय करो और उसका एक नक्शा अपने दिमाग में खींच लो। भाषण से पहले ऊर्जा मंत्री ने सभी गुरुजनों के सामने दंडवत प्रणाम किया। कार्यक्रम को गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने भी संबोधित किया।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

नगरीय निकाय चुनाव तक टला मंत्रिमंडल विस्तार?

लोकसभा चुनाव के बाद साय मंत्रिमडल के विस्तार को लेकर अटकलों का बाजार काफी गर्म था। अब माना जा रहा है कि अगले साल नगरीय निकाय चुनाव के बाद ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और निगम-मंडलों में नेताओं की नियुक्ति होगी। साय मंत्रिमडल में दो मंत्री पद रिक्त हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद शिक्षा, पर्यटन और संस्कृति अपने पास रखकर संसदीय कार्य केदार कश्यप को सौंपकर फिलहाल मंत्रिमडल विस्तार को टाल दिया है। कहा जा रहा है मंत्री पद के कई दावेदार होने और नए -पुराने विधायकों के फेर में मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो पाया। माना जा रहा है कि नगरीय निकाय चुनाव के बाद मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा कर रणनीति बनाई जाएगी। अटकलें लगाई जा रही है कि कुछ मंत्रियों की छुट्टी कर नए और अनुभवी में तालमेल बैठाया जा सकता है। लोकसभा चुनाव में राज्य की 11 में से 10 सीटें जीतकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी साख मजबूत कर ली है। अब साय सरकार की परीक्षा नगरीय निकाय चुनाव में होनी है। कहा जा रहा है कि अब सब कुछ नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम पर निर्भर करेगा।

राजेश टोप्पो प्रमोट, अब बारी पवनदेव की

2005 बैच के आईएएस राजेश टोप्पो का लिफाफा खुल गया और वे विशेष सचिव से सचिव बन गए। कांग्रेस की सरकार में राजेश टोप्पो का प्रमोशन अटक गया था। पदोन्नति समिति ने जाँच के चलते राजेश टोप्पो का लिफाफा बंद कर दिया था। राज्य की भाजपा सरकार ने राजेश टोप्पो को पिछली तिथि से प्रमोशन का फायदा दे दिया है। ऐसा ही प्रकरण 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी पवनदेव का है। जाँच के कारण पदोन्नति समिति ने पवनदेव का लिफाफा बंद रखा है। खबर है कि पवनदेव के खिलाफ जाँच रिपोर्ट को सरकार ने नस्तीबद्ध कर दिया है। इससे पवनदेव के लिए डीजी पद पर प्रमोशन का रास्ता साफ़ हो गया है। पवनदेव डीजी पद पर पदोन्नत हो जाते हैं तो डीजीपी की रेस में शामिल हो जाएंगे और वरिष्ठता सूची में अरुणदेव गौतम से ऊपर होने के कारण उनकी दावेदारी मजबूत हो जाएगी। वैसे अभी डीजीपी की दौड़ में अरुणदेव गौतम और 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता शामिल हैं। चर्चा है कि पवनदेव को डीजीपी बनवाने में भाजपा के एक नेता और कुछ अफसर रूचि ले रहे हैं।

केदार कश्यप का कद बढ़ा

वैसे तो संसदीय कार्य बहुत बड़ा विभाग नहीं है, पर महत्वपूर्ण है। विधानसभा सत्र के दौरान तो संसदीय कार्य विभाग की भूमिका काफी अहम होती है। सदन का सुचारु संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी संसदीय कार्य मंत्री की होती है। यह विभाग किसी वरिष्ठ और अनुभवी मंत्री को ही देने की परंपरा है। संसदीय कार्य विभाग मिलने से केदार कश्यप का कद बढ़ गया है। केदार कश्यप के पास पहले से ही जल संसाधन, वन और सहकारिता विभाग हैं। केदार कश्यप 15 साल डॉ रमन सिंह मंत्रिमंडल में भी मंत्री रहे। कहा जा रहा है कि पिछले वर्षों में प्रदेश संगठन में महामंत्री रहने और संगठन के करीब होने का फायदा केदार कश्यप को मिला और साय मंत्रिमंडल में उनका वजन बढ़ गया।

कलेक्टर को सांसद जी की खरी-खरी

कहते हैं एक सांसद जी ने एक जिले के कलेक्टर को खरी-खरी सुना दी। चर्चा है कि सांसद जी ने कलेक्टर साहब को कुछ काम के लिए कहा। कलेक्टर साहब दाएं-बाएं सुनाने लगे और एक नंबर बंगले से निर्देश दिलाने की बात करने लगे। इस पर सांसद जी ने कलेक्टर को खरी-खरी सुना दी। कहा जा रहा है कि सांसद जी के गुस्से के बाद कलेक्टर साहब ने उन्हें फोन लगाया, पर सांसद जी ने फोन नहीं उठाया और न ही उनके किसी प्रतिनिधि से बात की। खबर है कि कलेक्टर साहब सांसद जी से पैचअप करने में लग गए हैं । अब देखते हैं सांसद जी का गुस्सा शांत होता है या नहीं।

रमेश बैस का क्या होगा ?

महाराष्ट्र के राज्यपाल और छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश बैस को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रमेश बैस को एक कार्यकाल और मिलेगा या नहीं, इस पर कयासबाजी चल रही है। बैस जी का पांच साल का कार्यकाल इस महीने समाप्त होने जा रहा है। रमेश बैस को 2019 में त्रिपुरा का राज्यपाल बनाया गया था। इसके बाद 2021 से 2023 तक झारखंड के राज्यपाल रहे। 13 फरवरी 2023 से महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। रमेश बैस लगातार सात बार रायपुर से सांसद रहे। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया गया। केंद्र में भाजपा की सत्ता में वापसी के बाद उन्हें त्रिपुरा का राज्यपाल बनाकर भेजा गया। माना जा रहा है कि रमेश बैस को एक कार्यकाल और मिल सकता है। रमेश बैस को फिर मौका नहीं मिला तो छत्तीसगढ़ के दूसरे किसी नेता को राज्यपाल बनाया जा सकता है।

क्या अमित अग्रवाल जल्दी आएंगे ?

चर्चा है कि 1993 बैच के आईएएस अमित अग्रवाल जल्दी छत्तीसगढ़ लौट सकते हैं। अमित अग्रवाल अभी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सीईओ के रूप में कार्यरत हैं। वहां 2 नवंबर 2024 तक उनका कार्यकाल है। अमित अग्रवाल काफी सालों से भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं। वे रमन सिंह सरकार में छत्तीसगढ़ लौटे थे और कुछ साल वित्त सचिव रहे, फिर दिल्ली चले गए। अब फिर उनकी वापसी की सुगबुगाहट चल रही है। अमित अग्रवाल छत्तीसगढ़ आते हैं तो अगले मुख्य सचिव की दौड़ में रहेंगे।

ऋतु सैन को पोस्टिंग का इंतजार

2003 बैच की आईएएस ऋतु सैन की छत्तीसगढ़ वापसी हो गई है। कहते हैं उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग में ज्वाइनिंग दे दी है। अब पोस्टिंग का इंतजार है। माना जा रहा है कि सरकार कुछ आईएएस अफसरों के विभागों में हेरफेर कर ऋतु सैन को कोई विभाग दे सकती है। वैसे साय सरकार में दिल्ली से वापसी करने वाले अफसरों को पोस्टिंग के लिए इंतजार ही करना पड़ा। पिछले छह -सात महीने में दिल्ली से कई अफसरों की राज्य में वापसी हुई है। भूपेश सरकार में केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति पर गए कुछ अफसर समय से पहले ही वापस आ गए। इस कारण राज्य में आईएएस अफसरों की कमी खत्म हो गई है।